Tni आवाज़

राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

आपकी आवाज के साथ....

RAJHIN/2012/43137

HP NEWS हिन्दुस्तान की आवाज

हिन्दुस्तान पत्रिका
HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शुक्रवार 26 अप्रैल, 2024 | वर्षः 2 | अंकः 181 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 2.00 रू.

मोदी बोले-राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने ही पेपर लीक किया, पूर्व सीएम गहलोत के करीबी ने खुलासा किया

जयपुर/आगरा

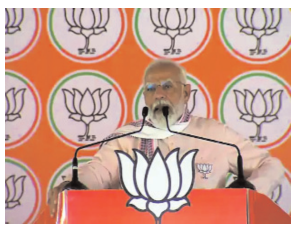

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक मामले को लेकर गहलोत सरकार पर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने ही पेपर लीक किया है। 24 अप्रैल को पूर्व सीएम अशोक गहलोत के करीबी ने सार्वजनिक रूप से खुलासा किया, लेकिन अभी तक कांग्रेसियों के मुंह पर ताला लगा हुआ है। पीएम मोदी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राजस्थान में पेपर लीक और पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा के खुलासे का जिक्र करते हुए युवाओं को कांग्रेस से सतर्क रहने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा युवाओं के भविष्य को बर्बाद किया है। अभी इसका ताजा उदाहरण मिला है। आपने सुना होगा, आज अखबारों में भी पढ़ा होगा, ताजा प्रमाण मिला है। हमारे पड़ोस में, राजस्थान में, वहां कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस के अपने लोगों ने, मुख्यमंत्री के करीबी ने कल एक बड़ा चौंकाने वाला खुलासा किया है और सार्वजनिक रूप से किया है, लेकिन अभी तक कांग्रेसियों के मुंह पर ताले लगे हुए हैं। वह कह रहे हैं कि पेपर लीक यानी नौजवानों के भविष्य के साथ इतना बड़ा खिलवाड़। वो कहते हैं कि राजस्थान में जो पेपर लीक हुआ। उस पेपर लीक में गहलोत सरकार खुद शामिल थी। यह कोई और नहीं कह रहा है, जो कांग्रेस के मुख्यमंत्री के कार्यालय में काम करने वाले सज्जन थे, वह कह रहे हैं। आप बताइए मेरे नौजवानों, इससे बड़ा पाप, इससे बड़ा धोखा, मेरे देश के युवाओं के साथ नहीं हो सकता है, यानी राजस्थान में अब कांग्रेस का ही पेपर लीक हो गया है। यही कांग्रेस की सच्चाई है, इसलिए देश के युवाओं को, हमारे फर्स्ट टाइम वोटर्स को कांग्रेस से बहुत सतर्क रहना है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने बुधवार को अशोक गहलोत पर फोन टैपिंग के आरोप लगाए थे। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि राजस्थान में साल 2020 में सियासी संकट के समय गहलोत सरकार ने विधायकों के फोन टैप करवाए थे। वहीं उन्होंने ही मुझे पेन ड्राइव में तीन ऑडियो क्लिप देकर मीडिया में जारी करने को कहा था। इसके अलावा लोकेश शर्मा ने कहा था कि कांग्रेस सरकार में पेपर लीक के बाद रीट लेवल 2 के पेपर को रद्द किया गया, लेकिन उसमें जितने लोग शामिल थे। उसको लेकर भी बातचीत की गई थी। जब माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डीपी जारोली का नाम सामने आया तो सभी अचरज में पड़ गए थे। क्या एक्शन लिया जाए। इन्हें बर्खास्त कैसे किया जाए।

राजस्थान में 13 लोकसभा सीटों पर वोटिंग आज, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की साख दांव पर

वोट देने पर व्यापारी देंगे 5 से 20% तक का डिस्काउंट

जयपुर

राजस्थान में दूसरे चरण में 13 लोकसभा सीटों पर आज यानी 26 अप्रैल को वोटिंग होगी। इन 13 में से 2 सीटें ऐसी हैं, जहां दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे मैदान में हैं। इन दोनों ही पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इन दो उम्मीदवारों के अलावा 150 और उम्मीदवार मैदान में है, जिनकी जीत-हार का फैसला 2.80 करोड़ से ज्यादा वोटर्स तय करेंगे। दूसरे चरण में वोटिंग प्रतिशत अच्छा रहे इसके लिए निर्वाचन आयोग ने भी कई नवाचार अपनाए हैं। सवाई माधोपुर में व्यापार मंडल के साथ मिलकर वोटर्स को लुभाने का प्रयास किया गया है। इसके तहत सवाई माधोपुर शहर के 30 से ज्यादा व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर 5 से 20 फीसदी तक छूट देने का ऐलान किया है। निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान की इन 13 लोकसभा सीटों पर कुल 2 करोड़ 80 लाख 78 हजार 399 वोटर्स है जो कल अपने मत का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए राजस्थान के 13 लोकसभा क्षेत्र में कुल 28 हजार 756 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। कल होने वाले चुनाव में दो सीटें बाड़मेर और बांसवाड़ा ऐसी है जहां दिलचस्प त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। वहीं मौजूदा केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी चुनावी मैदान में हैं।

वसुंधरा-गहलोत की प्रतिष्ठा दांव पर

राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा भी इन दूसरे चरण के चुनाव में दांव पर है। झालावाड़-बारां सीट से वसुंधरा के बेटे और मौजूदा सांसद दुष्यंत सिंह बीजेपी से उम्मीदवार है, जहां उनका सामना कांग्रेस की उर्मिला जैन भाया से है। वहीं जालोर-सिरोही सीट से अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत कांग्रेस से मैदान में है, जहां उनका मुकाबला बीजेपी के लुंबा राम चौधरी से है।

इन सीटों पर होगा चुनाव

राजस्थान में दूसरे चरण में जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, राजसमंद, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा, टोंक-सवाई माधोपुर, कोटा, झालावाड़-बारां सीटों पर मतदान होगा।

152 उम्मीदवार है मैदान में

इन 13 सीटों पर भी चुनाव बड़ा दिलचस्प है। इन सभी सीटों पर 152 उम्मीदवार मैदान में है, जिनके भाग्य का फैसला 26 अप्रैल को ईवीएम में बंद होगा। इन 13 सीटों में सबसे ज्यादा 18 उम्मीदवार चित्तौड़गढ़ सीट पर है, जिसके कारण इस सीट पर बने हर पोलिंग बूथ पर 2-2 ईवीएम मशीनें लगाई जाएगी। सबसे कम 7 उम्मीदवार झालावाड़-बारां सीट पर है।

केंद्र-विशेष सशस्त्र बलों की 175 कंपनियां

राज्य की पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, राजसमंद, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर एवं भीलवाड़ा सीट पर 26 अप्रैल को सुबह 7 बजे से मतदान होना है. राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि भय मुक्त वातावरण में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस के करीब 85 हजार अधिकारी एवं जवानों के अलावा केन्द्रीय सशस्त्र बल और विशेष सशस्त्र बल की 175 कंपनियां, राजस्थान शहरी-ग्रामीण होमगार्ड के 18 हजार तथा बॉर्डर होमगार्ड के 1600 जवानों को तैनात किया गया है.

13 लोकसभा में 28 हजार मतदान केंद्र बने

उन्होंने बताया कि दूसरे चरण के तहत 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 28,105 मतदान केन्द्र और 651 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए हैं. डीजीपी के मुताबिक, इन मतदान केन्द्रों में से अति संवेदनशील और संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों, होमगार्ड, आरएसी तथा केन्द्रीय सशस्त्र बलों के जवानों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार तैनात किया गया है. साहू ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की करते हुए कहा कि सभी मतदाता बिना किसी दबाव या प्रलोभन के निर्भय होकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में लोकतंत्र के पर्व में अपनी भूमिका सजगता से निभाएं.

8.66 लाख वोटर पहली बार डालेंगे वोट

राजस्थान की 13 सीटों पर 26 अप्रैल को होने वाले चुनावों में 8 लाख 66 हजार 326 वोटर्स 18 से 19 साल है। इनमें 5 लाख 7 हजार 577 वोटर्स युवक हैं, जबकि 3 लाख 58 हजार 739 वोटर्स युवतियां हैं, जबकि 9 वोटर्स थर्ड जेंडर हैं। टोंक-सवाई माधोपुर सीट पर ज्यादा से ज्यादा वोटिंग हो इसके लिए जिला निर्वाचन विभाग के साथ मिलकर सवाई माधोपुर शहर के व्यापारियों ने लोगों को डिस्काउंट देने का निर्णय किया है। शेविंग-कटिंग से लेकर मेडिकल, किराना, कपड़े, स्टेशनरी, मिठाई पर 5 से लेकर 20 फीसदी तक की छूट दी जाएगी। ये छूट केवल उन व्यक्तियों को मिलेगी जो वोट डालने के बाद स्याही का निशान दिखाएंगे।

पहले चरण की कम वोटिंग से बीजेपी को नुकसानः चिकित्सा मंत्री

जयपुर

लोकसभा चुनाव के चलते राजस्थान में 26 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग होगी। इधर, पहले चरण की वोटिंग कम होने को लेकर भजनलाल सरकार के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चिकित्सा मंत्री कहते हुए नजर आ रहे हैं कि मतदान प्रतिशत कम हुआ है, इसलिए बीजेपी को बड़ा नुकसान हो सकता है। इस वीडियो को ट्वीट करते हुए बीजेपी पर कांग्रेस ने सियासी हमले किए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें राजस्थान के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर कह रहे कि इस बार जो मतदान हुआ है, वह बीजेपी के लिए बहुत बड़ा नुकसान है, क्योंकि अपन लोगों ने मतदान भी नहीं किया है। हमारी नागौर लोकसभा सीट बीजेपी के हाथों से गई। इस दौरान पास ही खड़े कार्यकर्ता ने कहा, गई नहीं मंत्री जी....इस पर आगे मंत्री जी कहते हैं, अरे भाई! हमने वोट ही नहीं किया और तो और हमारे राजपूत समाज के लोगों ने घरों से बाहर निकलकर मतदान भी नहीं किया। बीजेपी के ही मंत्री की ओर से कम वोटिंग होने के पीछे नुकसान होने की बात स्वीकार करने के बाद बीजेपी के सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। ऐसे में लोग सवाल उठा लगे हैं कि पीएम मोदी की ओर से लगातार 400 पार का नारा दिया जा रहा है। ऐसे में अगर उनके ही मंत्री इस पर सवाल खड़े कर रहे हैं, तो पीएम मोदी का यह टारगेट कैसे पूरा होगा? उधर, सोशल मीडिया पर नागौर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जाकिर हुसैन गेसावत ने यह वीडियो ट्वीट किया। इसमें लिखा कि 'मंत्री जी रील बनाते-बनाते वास्तविकता से रूबरू करवा गए।'

मल्लिकार्जुन खरगे ने लिखी पीएम मोदी को चिट्ठी, न्याय पत्र पर बात करने के लिए मांगा समय

नई दिल्ली

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने इस चिट्ठी के जरिए व्यक्तिगत तौर पर अपनी पार्टी के न्याय पत्र को समझाने के लिए समय मांगा है। दो पन्ने की चिट्ठी में खरगे ने लिखा कि इन दिनों प्रधानमंत्री के भाषण से वह न तो चौंके और न ही उन्हें आश्चर्य हुआ। अपनी चिट्ठी में खरगे ने कहा, पिछले कुछ दिनों में आपके भाषणों से न तो मैं चौंका और न ही मुझे आश्चर्य हुआ। चुनाल के पहले चरण में भाजपा की स्थिति को देखते हुए आप और आपकी पार्टी के नेता ऐसा कहेंगे, इसका अंदाजा था। कांग्रेस हमेशा से ही वंचित गरीबों और उनके अधिकारों की बात करती रही है। हम जानते हैं कि आपको और आपकी सरकार को गरीबों की कोई चिंता नहीं है। खरगे ने आगे कहा, कांग्रेस वंचित गरीबों को उनका अधिकार दिलाने की

'द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार 2024' जयपुर में, 5 से 7 मई तक होगा आयोजन

मुख्य सचिव ने राजस्थानी व्यंजनों को शामिल करने के दिए निर्देश

जयपुर

राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जयपुर में 5 से 7 मई 2024 को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय "द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार 2024" की तैयारियों के सम्बन्ध में मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में बैठक हुई। मुख्य सचिव ने इस आयोजन में राजस्थान की पर्यटन विशेषताओं को मुख्य रूप से प्रस्तुत किए जाने पर जोर दिया। आयोजन में स्टेक होल्डर्स, जिसमें विदेशी डेलिगेट्स प्रमुख है को राजस्थान की परंपरा के अनुसार आमंत्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थानी व्यंजनों को बढ़ावा दिए जाने के लिए आयोजन के दौरान कम से कम एक बार के

भोजन में राजस्थान के व्यंजनों को प्रमुखता से शामिल करने के निर्देश दिए। पंत ने तीन दिवसीय आयोजन के उद्घाटन कार्यक्रम को अधिक आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राजस्थान की कला,पर्यटन और इतिहास आधारित सांस्कृतिक आयोजन को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाए। बैठक में डीजीपी यू आर साहू, एसीएस वन अपर्णा अरोड़ा, आयुक्त जयपुर पुलिस बीजू जॉर्ज जोसफ, एडीजी यातायात हवा सिंह घुमरिया, प्रमुख शासन सचिव यूडीएच और एलएसजी भास्कर ए सावंत, जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में डीजीपी यू आर साहू, एसीएस वन अपर्णा अरोड़ा, आयुक्त जयपुर पुलिस बीजू जॉर्ज जोसफ, एडीजी यातायात हवा सिंह घुमरिया, प्रमुख शासन सचिव यूडीएच और एलएसजी भास्कर ए सावंत, जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। पर्यटन निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि पहले दिन 5 मई 2024 को वेड इन इंडिया एक्सपो सुबह 9:45 से शाम 4:30 बजे तक महारानी महल रामबाग पैलेस में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वेड इन इंडिया एक्सपो का उद्देश्य है कि देश और विदेश के पर्यटकों द्वारा ज्यादा से ज्यादा राजस्थान में वैडिंग की जाए, जिससे राज्य के पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। इसी दिन शाम 6:30 बजे जय महल पैलेस में जीआईटीबी का औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा।

ईडी का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामाः केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही ठहराया

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की एक याचिका का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। उसने बुधवार को दाखिल हलफनामे में दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में केजरीवाल को मुख्य साजिशकर्ता बताया है। साथ ही केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कई समन जारी किए जाने के बावजूद उन्होंने सहयोग नहीं किया है। ईडी ने गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका का विरोध करते हुए कहा है कि केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के मंत्रियों, आप नेताओं और अन्य लोगों की मिलीभगत से धन शोधन के अपराध को अंजाम देने में प्रमुख भूमिका निभाई है। वहीं, हलफनामे में यह भी कहा गया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को नौ बार समन देकर बुलाया गया था, लेकिन वो पेश नहीं हुए। गौरलतब है कि केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी और हिरासत को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए ईडी को 24 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही कहा था कि मामले की सुनवाई 29

अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में होगी। हलफनामे में कहा गया कि सामग्री के आधार पर अपराध करने के लिए किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी, चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो, कभी भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा का उल्लंघन नहीं कर सकता। गिरफ्तारी के मामले में एक राजनेता के साथ एक सामान्य अपराधी से अलग व्यवहार करना मनमाना होगा और गिरफ्तारी की शक्ति का उल्लंघन होगा। हलफनामे में कहा गया कि आईओ के पास मौजूद सामग्री से यह पुष्टि हुई है कि वह मनी लॉन्ड्रिंग मामले के दोषी हैं। ईडी का कहना है कि केजरीवाल को सही तरीके से गिरफ्तार किया गया है न कि किसी दुर्भावनापूर्ण या बाहरी कारणों से। एजेंसी ने कहा कि इस बात से साफ इनकार किया जाता है कि गिरफ्तारी दुर्भावनापूर्ण थी।

फोन टेपिंग का मामला फिर उठाः बड़ा सवाल- सचिन पायलट के साथ गए विधायकों के फोन टेप किसकी अनुमति से हुए?

जांच कमेटी बने तो हो खुलासा

जयपुर

गृह विभाग को लिखित में कारण देना होता है, इसके बाद होती है फोन टेपिंग, रेंज आईजी व जांच एजेंसियों के मुखिया अनुमति लेकर करवा सकते हैं फोन टेप प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर फोन टेपिंग ने भूचाल मचा दिया है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने तत्कालीन गहलोत सरकार पर आए संवैधानिक संकट के दौरान विभिन्न जांच एजेंसियों की ओर से सचिन पायलट सहित गहलोत व पायलट के साथ रहे विधायकों के फोन टेपिंग करने की बात कही है, जिससे पता चल सके कि कौन विधायक किस-किस से बात कर रहे हैं और मिल रहे हैं। लोकेश शर्मा के आरोपों के बाद एक बार फिर जांच एजेंसियों पर सवालिया निशान लग रहा है। जांच एजेंसियां सरकार के इशारे पर फोन टेप कर रही हैं। शर्मा का आरोप है कि जो ऑडियो वायरल हुआ उसे खुद सीएम गहलोत ने पेन ड्राइव में उन्हें दिया

था। जांच एजेंसियां अवैध तरीके से फोन टेप नहीं कर सकती है। अगर किसी वाजिब कारण से फोन टेप किया है तो उसे वायरल नहीं कर सकती। ऐसे में कांग्रेस सरकार में प्रदेश की जांच एजेंसियों की ओर से नेताओं की टेपिंग और वायरल करने की जांच उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर हो तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आ सकती हैं। उस समय तीन ऑडियो वायरल हुए थे। इनमें बातचीत करने वाले जिन लोगों के नाम बताए गए थे उनके फोन किसकी अनुमति से सर्विलांस पर लिया गया यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। ऐसे में जांच कमेटी बने तो कई खुलासे होंगे। पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने कहा है कि उनके पास कई रिकॉर्डिंग हैं। जिन्हें समय आने पर बताऊंगा। जब एसओजी उनके कार्यालय में तलाशी लेने पहुंची तो वे मुख्यमंत्री गहलोत के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका के पास गए थे। तब रांका ने कहा था कि एसओजी क्यों आई उन्हें पता नहीं। लोकेश ने कहा कि कई बड़े घोटाले हुए, जिनको दबाया गया। साथ ही कहा कि वे सीधे साधे परिवार से हैं। अगर उन्हें कुछ हो जाता है तो पूर्व सीएम गहलोत इसके जिम्मेदार होंगे। जांच एजेंसी की ओर से फोन टेपिंग सही की है या गलत...इसका रिव्यू सीएस स्तर की कमेटी करती है। यह रिव्यू टेपिंग के दो माह के भीतर होता है। साथ ही विशेष परिस्थितियों में व ऑपरेशनल्स वर्क के दौरान संबंधित आईजी रैंक के अधिकारी की अनुमति से सात दिन के लिए फोन टेपिंग हो सकती है। मगर इसके लिए पहले तीन दिन में गृह विभाग को सूचना देनी जरूरी है। साथ ही दो माह बाद रिव्यू। एसओजी ने 13 जून 2020 को दो मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लिए थे। जिसमें बताया गया था कि एक मोबाइल नंबर अवैध हथियारों की तस्करी से जुड़ा है। जबकि दूसरा मोबाइल नंबर अवैध माइनिंग से जुड़ा हुआ है। सर्विलांस पर लिए गए दोनों मोबाइल नंबर में एक नंबर संजय का था। एसओजी में इंस्पेक्टर तथा वॉइस लॉगर अनुभाग के प्रभारी विजय कुमार ने दोनों मोबाइल नंबर की बातें सुनी। जिसमें सामने आया कि दोनों नंबर पर सरकार गिराने व विधायकों की खरीद-फरोख्त संबंधी बातें हो रही थीं। इसके बाद एसओजी ने देशद्रोह का मामला दर्ज किया। बाद में मामले को एसीबी को भेज दिया। फोन को सर्विलांस पर लेने के जांच एजेंसियों को गृह विभाग से लिखित में अनुमति लेनी होती है। इस तरह की अनुमति एसओजी, क्राइम ब्रांच, एसीबी व इंटेलीजेंस विंग अक्सर लेती रहती है। विभाग के मुखिया गृह विभाग को लिखित में भेजते हैं कि किस मोबाइल नंबर को और क्यों सर्विलांस पर लिया जाना है। वाजिब कारण पर गृह विभाग अनुमति देता है। जिसके बाद सर्विस प्रोवाइडर एजेंसियां निश्चित समय के लिए फोन को सर्विलांस पर लेती है। फोन टेपिंग के लिए केन्द्र सरकार ने पूरा नोटिफिकेशन जारी किया हुआ है। जिसमें किन परिस्थितितियों में फोन को सर्विलांस पर लिया जा सकता है उसके सारे नियम बनाए हुए हैं। पब्लिक इमरजेंसी या पब्लिक सुरक्षा के लिहाज से, देश की अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए, मित्र राष्ट्रों की संबंधों को मेंटेन करने, देश व प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध होने की आशंकाके चलते रोकने के लिए गृह विभाग की अनुमति से फोन सर्विलांस पर लिया जा सकता है। गैरकानूनी रूप से फोन टेपिंग राइट टू प्राइवेसी यानी निजता के अधिकार का उल्लंघन होता है। इस संबंध में मानवाधिकार आयोग के पास शिकायत की जा सकती है।यदि व्यक्ति को पता चल जाए कि उसके फोन गैरकानूनी तरीके से टैप हो रहे हैं तो वह थाने में एफआईआर दर्ज कर सकता है। इतना ही नहीं, पीड़ित व्यक्ति फोन टैप करने वाले के खिलाफ इंडियन टेलीग्राफिक एक्ट के तहत मुकदमा कर सकता है। इसके तहत गैरकानूनी टेपिंग करने वाले को तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। यदि रिकॉर्ड किए गए डेटा को गलत तरीके से शेयर किया जाता है तो भी मुकदमा किया जा सकता है।

भातरा के सीबीईओ बनने पर शिक्षकों ने किया स्वागत

राजस्थान की राजनीति

नदबई। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ब्लाक कार्यकारिणी नदबई की ओर से ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह जिलेदार के नेतृत्व में नवनियुक्त सीबीआई सुरेश चंद्र भतरा का स्वागत सम्मान किया गया। सीबीईओ को भातरा ने शिक्षकों के कार्यों का समय पर निस्तारण करने का भरोसा दिलाया। साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता पर बल दिया। उधर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में प्रिंसिपल रामबाबू शर्मा के नेतृत्व में स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के ब्लॉक अध्यक्ष जिलेदार एवं ब्लॉक नदबई के सभी शिक्षकों ने सुरेश चंद भातरा को सीबीईओ बनाए जाने पर, स्थानीय विधायक कुँ0 जगत सिंह का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया गया। सभी शिक्षकों में स्थानीय विधायक सिंह की अनुशंसा पर सुरेश चंद्र भतरा को उपखंड शिक्षा अधिकारी बनाए जाने पर खुशी एवं हर्ष की लहर है। इस अवसर पर यादव चंद लवानियां हरीश चौधरी, राम विजय,अंकुर जिंदल सुरेश, पूनम चतुर्वेदी अशोक लवानियां, नंदकिशोर उपाध्याय, कपिल लवानियां,हनुमान गुर्जर, जगमोहन, नंदलाल, अतरसिंह, रामकरण मीणा, चांदराम, टीकाराम, हरिसिंह, पवन शर्मा, भूपसिंह, अभिषेक जैन, दिनेश शर्मा, रामेश्वर सैनी, हरि मोहन मीणा,विष्णू भगवान आदि मौजूद रहे।

जिला ताईक्वांडो चैंपियनशिप 11 मई को जयशंकर टाईगर क्लब में होगी आयोजित

राजस्थान की राजनीति

भरतपुर। ताइक्कांडो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के मार्गदर्शन में एवं राजस्थान ताइक्कांडो एसोसिएशन के तत्वाधान में ऑफिशल जिला ताइक्कांडो कैडेट एवं जूनियर चैम्पियनशिप एवं चयन ट्रायल का आयोजन भरतपुर ताइक्कांडो संघ द्वारा किला स्थित जयशंकर टाईगर जूडो कराटे क्लब में 11 से 12 मई को किया जावेगा। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया टाईगर क्लब में प्रारंभ हो गई है खिलाड़ी एक फोटो, आधार कार्ड की प्रतिलिपि एवं मार्कशीट की प्रतिलिपि के साथ टाईगर क्लब में एवं अधिक जानकारी के लिए 7597045555 नंबर पर संपर्क करें। भरतपुर ताइक्कांडो संघ सचिव और एन आई एस कोच दीप्ति शर्मा ने बताया कि कैडेट एवं जूनीयर आयु के बालक बालिकाओं की 33 कि.ग्रा, 37 कि.ग्रा, 41कि.ग्रा, 45 कि.ग्रा, 48 कि.ग्रा, 51कि.ग्रा, 55 कि.ग्रा 59 कि.ग्रा., 63 कि.ग्रा., 68 कि.ग्रा, 73 कि.ग्रा., 78 कि.ग्रा., एवं ओवर 78 कि.ग्रा. में खिलाडियों का चयन किया जायेगा। ताइक्कांडो संघ अध्यक्ष पवन पाराशर ने बताया कि चयनित खिलाडी पन्द्रह दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर पश्चात मई के अन्तिम सप्ताह को होने वाली राजस्थान राज्य स्तरीय ताइक्कांडो चैम्पियनशिप-2024 में भाग लेंगे। खिलाडियों को इण्डियन ताइक्कांडो फैडरेशन के कॉलीफायड रैफरी, जज एवं प्रशिक्षकों द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। टाईगर क्लब के सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर ने कहा कि टाईगर क्लब विगत 40 वर्षो से मार्शल आर्ट की सेवाएं किला स्थित नेहरू पार्क के पास निरंतर दे रहा है एवं जो भी प्रतियोगिता यहां आयोजित होती है वह सब राजस्थान सरकार एवं भारत सरकार से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट प्राप्त होते हैं।

10 भर्तियों को लेकर कर्मचारी चयन बोर्ड की सख्ती

योग्यता के बिना फॉर्म भरा तो दर्ज होगी एफआईआर, 2 मई तक आवेदन वापस लेने का मौका

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की तर्ज पर अब राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने भी बिना योग्यता भर्ती के लिए आवेदन करने वालों पर सख्ती प्रारंभ कर दी है। बोर्ड ने वर्तमान में चल रही 10 भर्तियों में शैक्षणिक योग्यता या संबंधित प्रमाण पत्र के बिना आवेदन करने वालों पर एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी की है। इससे पहले बोर्ड ने अयोग्य अभ्यर्थियों को आवेदन वापस लेने का मौका दिया है। बोर्ड का कहना है कि भर्ती के लिए उल्लेखित शैक्षणिक योग्यता या संबंधित प्रमाण पत्र नहीं होने के बावजूद भी ऑनलाइन आवेदन कर दिया है या गलत सूचना अंकित कर दी है तो ऐसे आवेदकों को अपना आवेदन वापस लेने का प्रावधान किया गया है। ऐसे आवेदक 26 अप्रैल से 2 मई तक एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर अपना आवेदन वापस ले सकते हैं। इस छूट के बावजूद अगर किसी ने भर्ती में अयोग्य होते हुए भी आवेदन वापस नहीं लिया तो पात्रता जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले आरपीएससी ने कॉलेज व्याख्याता भर्ती में भी ऐसे अयोग्य अभ्यर्थियों की पहचान की थी और उन्हें आवेदन वापस लेने का मौका दिया था। इसके बाद अब आयोग अपनी हर भर्ती में इस तरह का प्रावधान लागू कर रहा है।

इन भर्तियों की योग्यता नहीं तो आवेदन वापस लेना होगा

बोर्ड ने 10 भर्तियों की विज्ञप्ति में संशोधन जारी किया है। इसमें बिना योग्यता आवेदन करने वालों को आवेदन वापस लेने का प्रावधान लागू किया गया है। बोर्ड ने पशु परिचर भर्ती, पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता भर्ती, छात्रावास अधीक्षक ग्रेड द्वितीय भर्ती, पर्यवेक्षक महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती, छात्रावास अधीक्षक अल्पसंख्यक मामलात भर्ती, पर्यवेक्षक महिला भर्ती, लिपिक ग्रेड द्वितीय कनिष्ठ सहायक भर्ती, शीघ्र लिपिक भर्ती, कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती (4 ट्रेड), कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती (16 ट्रेड) की संशोधित विज्ञप्ति जारी कर इस प्रावधान को लागू भी कर दिया। इन भर्तियों में अयोग्य होने पर आवेदन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आवेदन वापस नहीं लेने पर होगी कानूनी कार्रवाई

कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव डॉ. बीसी. बधाल ने बताया कि बोर्ड ने 10 भर्तियों की संशोधित विज्ञप्ति जारी की है। वांछित योग्यता नहीं होने, गलत सूचना अंकित करने के बावजूद भी निर्धारित अवधि में आवेदन पत्र वापस नहीं लेने वाले अभ्यर्थियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोने के आभूषण चोरी के मामले में भवानीपुरा सरपंच की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल दबलाना थाना अधिकारी से मिला

राजस्थान की राजनीति

दबलाना/सुरेंद्र गौतम। निजी बस की छत पर 21 अप्रैल को रखे बैग में से सोने के जेवरात गायब होने के 23 अप्रैल को दर्ज मामले में जेवरात निकाल कर ले जाने वालों का पता लगाकर पकड़ने की मांग को लेकर के सरपंच श्याम बाबू कर्मावत की अगवाई में गुरुवार को शंकरपुर कंजर बस्ती के ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल दबलाना थाना अधिकारी से मिला। गौरतलाब है कि 21 अप्रैल को सोम धनावत 34 पुत्र अजब सिंह कंजर निवासी मोती झील बदनाका पुरा थाना पुरानी छावनी जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश 21 अप्रैल को स्वयं की माता व दो बहनों के साथ शंकरपुर कंजर बस्ती में विवाह समारोह में शामिल होने के लिए बूंदी मीरा गेट पहुंचा। जहां एक निजी बस लगी थी। शंकरपुर जाने की जानकारी जब निजी बस कंडक्टर से ली तो कंडक्टर ने कहा कि सामानो को बस की छत पर रख दो और आप लोग बस में बैठ जाओ। बेग को अपने पास ही रखकर बैठने की बात कहने के बावजूद भी कंडक्टर ने सामानों को छत पर रखवाया तथा हमें बस के अंदर बिठाया गया। बस से शंकरपुरा चौराहे पर उतर करके सामानों को लेकर शंकरपुरा कंजर बस्ती निवासी परिजन हरिराज पुत्र अंबालाल के घर पहुंचे। कुछ देर बाद बेग खोल करके देखा तो उसमें रखी गई दश तोला सोने की चैन, छ तोला सोने का ग्लास, दो तोला सोने की दो नथ, 4 तोला सोने की चार अंगूठी, 40 तोला सोने के दो हार के सेट इस प्रकार से कुल 62 तोला सोने के आभूषण गायब मिले। इस आशय का मामला पुलिस ने 23 अप्रैल को दर्ज किया। सरपंच श्याम बाबू कर्मावत की अगवाई में मिले प्रति निधि मंडल ने थाना अधिकारी से मांग की है कि बेग में से सामानों को निकाल कर ले जाने वालों का पता लगा करके आभूषणों की बरामद की कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए । प्रतिनिधि मंडल में सरपंच सहित फरियादी सोम धनावत, हरी राज, देवराज, फोरू, प्रकाश, शिवराज आदि सहित कई महिलाएं भी शामिल थी । थाना अधिकारी मनोज सिंह सिकरवार ने कहा कि बेग के ताला नहीं लगा हुआ था। बूंदी मीरा गेट बस स्टैंड व उसके आसपास के दुकानदारों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस गंभीरता से जांच में जुटी हुई है।

71 लाख लूटकर भागे थे,अब चलने लायक नहीं बचे बदमाश

जयपुर में पुलिस से बचने के लिए सड़क से 20 फीट नीचे कूदे, तीन गिरफ्तार

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में ग्राम विकास अधिकारी से 71 लाख रुपए लूटने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन तीनों ने ही लूट की वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपियों में हिस्ट्रीशीटर रवि पंडित, सुरेंद्र जाट और मुकेश सामोता शामिल है। इन्हें रिंग रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जैसे ही तीनों को पकड़ने पहुंची उन्होंने रिंग रोड से 20 फीट नीचे छलांग लगा दी। इसलिए टांगे टूट गई।

दरअसल, आरोपी बची हुई 20 लाख रुपए की राशि को छुपाकर उदयपुर के कैथून फरार हो गए थे। फिर गुरुवार को कैश लेने वापस जयपुर आए थे। कैश लेकर बदमाश राजस्थान छोड़कर फरार होने की फिराक में थे। इस दौरान मानसरोवर थाने के स्पेशल टीम के हैड कॉन्स्टेबल भीम सिंह को बदमाशों के रिंग रोड के पास होने की सूचना मिल गई।

सूचना के बाद पुलिस रिंग रोड के पास बदमाशों का पीछा किया। पुलिस से बचने के लिए बदमाश रिंग रोड से 20 फीट नीचे कूदकर भागने लगे। पुलिस की टीम ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा गया। इस दौरान पुलिस और गडढों में गिरने से टांग टूट गई। पुलिस घायल अवस्था में तीनों आरोपियों को पकड़ कर ले आई। उन्हें जयपुरिया अस्पताल में भर्ती कराया।

आरोपियों को लगा था पीड़ित केस दर्ज नहीं करवाएगा

प्राइमरी पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपियों को एक अन्य शख्स देवेंद्र जांगिड़ के पास 71 लाख रुपए की हवाला राशि होने की जानकारी मिली थी। सूचना देने वाले ने बताया था कि देवेंद्र जांगिड़ रुपए लूटे जाने के बाद थाने में कोई एफआईआर दर्ज नहीं करवाएगा। ऐसे में पल-पल की अपडेट मिलने के बाद बदमाशों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया।

तीन लोग अभी भी फरार

हालांकि मामले में अभी तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। वहीं अभी भी पुलिस पैसों की सूचना देने वाले उसे शख्स के बारे में जानकारी जुटा रही है। जिस ने परिवादी के पास 71 लाख रुपए होने की पूरी जानकारी दी थी।

क्या है मामला

दरअसल, 23 अप्रैल की शाम करीब 6.30 बजे एक ग्राम विकास अधिकारी (बीडीओ) देवेन्द्र जांगिड़ से जयपुर के मुहाना इलाके में 71 लाख रुपए लूट लिए गए थे। बदमाश ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार होकर आए थे। पीड़ित की कार को रोका। फिर बदमाशों ने बेसबॉल बैट से हमला कर दिया था। घबराकर देवेंद्र और उसके साथी कार से उतर गए। बदमाशों ने देवेंद्र के पैर और सिर पर डंडे से हमला कर दिया था। इसी दौरान दूसरे बदमाश ने देवेंद्र की कार में रखे हुए रुपयों से भरे बैग लेकर भाग गए थे।

तीन पहले हो चुके गिरफ्तार

मामले में आरोपियों की मदद करने वाले तीन लोगों को 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपियों गोपाल जाट, बद्रीनारायण और संजय से लूटी गई रकम में से 48 लाख 90 हजार रुपए और कार को जब्त की गई थी।

फोन नहीं उठाने पर जयपुर में महिला की हत्या

आरोपी ने 3 बार किया था कॉल, शराब के नशे में गला दबाकर मार डाला

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में घर में घुसकर महिला की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी और मृतका के बीच काफी समय से संबंध थे। वारदात वाले दिन आरोपी महिला के घर जा रहा था तो उसने कई बार महिला को फोन किया, लेकिन महिला ने फोन नहीं उठाया। इससे नाराज आरोपी ने महिला के घर पर पहुंचकर झगड़ने लगा। इस दौरान झगड़ा इतना बढ़ गया कि उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। मामला बगरू थाना इलाके का है।

घर में बेड पर मिली थी महिला की लाश

एसीपी बगरू आमिर हसन ने बताया कि बारवाल की ढाणी लोहरवाडा वेदांत सिटी निवासी हीरा देवी (51) पत्नी भीम सिंह अपने बेटे-बहू के साथ रहती थीं। 20 अप्रैल को बेटा सतीश पत्नी और बच्चों के साथ अजमेर शादी में गया था।

21 अप्रैल को रात करीब 10:40 बजे सतीश ने मां हीरा देवी को फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। इस पर उसने बड़े भाई मांगीलाल को फोन कर भांजे पुलकित को घर भेजने के लिए कहा। भांजा पुलकित और चचेरी बहन माया और मौसी की लड़की अंजली घर पहुंचे। घर का गेट अंदर से बंद था और लाइट भी बंद थी। काफी आवाज लगाने के बाद भी मां हीरा देवी ने जवाब नहीं दिया। अनहोनी की आशंका पर गेट की कुंदी तोड़कर घर के अंदर गए तो एक कमरे में बेड पर हीरादेवी की लाश पड़ी थी।

राजकुमार, आरोपी | हीरा देवी, मृतका

मृतका के गले पर थे चोट के निशान

इस पर पुलकित और परिवार के दूसरे सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इस पर आस-पास के लोग भी इकट्ठा हो गए। मर्डर की सूचना पर बगरू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और मकान का मुआयना किया। हीरा देवी के गले पर चोट के निशान थे और पास ही में तकिया पड़ा हुआ था। पुलिस ने शव को बगरू सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाया और परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान कुछ लोगों ने नशेड़ी प्रवृत्ति वाले राजकुमार उर्फ राजेश छीपा (35) निवासी बगरू को घर के पास घूमते देखा तो पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

महिला के फोन पर थी आरोपी की मिस कॉल

एसीपी बगरू ने बताया- मृतका के मोबाइल की जांच में सामने आया कि उसके मोबाइल पर अंतिम तीन मिस कॉल राजकुमार छीपा की थी। जब राजकुमार से इस बारे में पूछताछ की गई तो उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसके और मृतका हीरा देवी के बीच काफी समय से संबंध थे। दोनों का घर 1 किलोमीटर की दूरी पर है। मृतका के घर पर कोई नहीं होने के कारण वह रात को उसके पास जाने वाला था। दोनों में इसको लेकर बात हुई थी तो हीरा देवी ने कहा कि वह बाइक को घर पर खड़ी करके 4 रोटी लेकर आ जाए।

आरोपी ने बताया कि मैंने अपनी बाइक घर पर खड़ी की और हीरा देवी को फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इस पर उसे गुस्सा आ गया था। उसने हीरा देवी के घर पर जाकर झगड़ा किया। इस पर विवाद बढ़ने पर उसने हीरा देवी का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसने घर की सभी लाइटें बंद कर दी और अंदर से लॉक कर दिया था, ताकि किसी को शक नहीं हो। इसके बाद छत पर पहुंचा और कूदकर बाहर निकल गया। इस दौरान लोगों के इकट्ठा होने पर वह घर के पास छुप गया था।

हत्यारा सुबह से पी रहा था शराब

गिरफ्तार आरोपी राजकुमार छीपा ने बताया कि वह सुबह से शराब पी रहा था। नशे में होने और गुस्से में होने के कारण उसने गला दबाकर हीरा देवी की हत्या कर दी। एसीपी ने बताया कि राजकुमार के खिलाफ बगरू थाने में पहले भी एनडीपीएस और शराब बेचने के कई मामले दर्ज हैं। मृतका के साथ आरोपी के संबंधों कीक स्थानीय लोगों ने भी पुष्टि की है।

सरकारी कर्मचारी का बैलेट पेपर वायरलः निर्वाचन विभाग जांच में जुटा, डूंगरपुर जिले में कार्यरत कार्मिक का है पेपर

राजस्थान की राजनीति

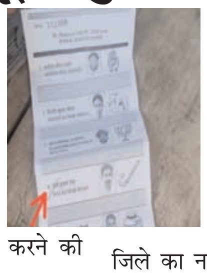

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा डूंगरपुर लोकसभा सीट पर मतदान शुक्रवार सुबह से होना है। लेकिन गुरुवार देर शाम एक सरकारी कार्मिक का बैलेट पेपर वायरल हो गया। जिसमें साफ तौर पर एक प्रत्याशी विशेष को वोट करने के बाद तीर का निशान बनाकर वोट करने की अपील की गई। जिस कार्मिक ने यह कारस्तानी की उसका बैलेट नंबर 112369 है। इसकी जानकारी बांसवाड़ा जिला प्रशासन के पास पहुंची तो प्रशासन हरकत में आया। तत्काल बैलेट नम्बर से कार्मिक की पहचान करने में जुट गए। हालांकि जो नम्बर बैलेट का है वो बांसवाड़ा जिले का नहीं है। कलेक्टर डॉ इंद्रजीत यादव ने बताया कि यह मैनर्स डूंगरपुर जिले को इश्यू हुआ है। अब तक जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार यह कार्मिक एमबीसी का कोई जवान है। इसकी जानकारी डूंगरपुर कलेक्टर को दी है। वहीं दूसरी ओर डूंगरपुर कलेक्टर अंकित कुमारसिंह ने बताया कि जिसके नाम से यह डाक मतपत्र जारी हुआ है, वह बांसवाड़ा जिले में एमबीसी में कार्यरत है। इसकी जानकारी बांसवाड़ा एसपी को दी है। इस पर कार्रवाई उनके स्तर पर होगी।

राजस्थान में कार ने 11 लोगों को कुचला

तीन की मौत, 8 घायल; सड़क किनारे सो रहा था परिवार

कानून व्यवस्था

दौसा। दौसा जिले के महवा कस्बे में बेकाबू कार ने सड़क किनारे सो रहे 11 लोगों को कुचल दिया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 2 घायलों का महवा के सरकारी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जबकि गंभीर रूप से जख्मी 6 लोगों को जयपुर रेफर किया गया है। हादसा गुरुवार की रात करीब सवा ग्यारह बजे हुआ है। सभी मृतक व घायल खानाबदोश परिवार के लोग थे, जो टीकाराम पालीवाल गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास सड़क किनारे झुग्गी में रहते थे। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है।

देर रात मिली पुलिस को सूचना

हेड कॉन्स्टेबल बृजकिशोर ने बताया- रात करीब 11.20 बजे घटना की सूचना पुलिस को मिली थी। फौरन पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि तेज रफ्तार हुंडई औरा कार के ड्राइवर ने तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे सो रहे लोगों को कुचल दिया है। हादसे में घायलों को राजकीय जिला चिकित्सालय महवा ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने राजू (50) पुत्र पपैया, परी (6) पुत्री दिलीप और अठौड़ी (60) पत्नी पपैया निवासी महवा (दौसा) को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल जग्गा (40) पुत्र पपैया, शनि (13) पुत्र दीपक, शेरू उर्फ मोनू (11) पुत्र प्रहलाद, काजल (30) पत्नी दीपक निवासी महवा (दौसा), दिलीप (28) पुत्र डब्बा, सीमा (25) पत्नी दिलीप निवासी लक्ष्मणगढ़ (अलवर) को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर किया गया है। उगन्ता देवी (40) पत्नी पन्ना और प्रिया (7) पुत्री सतीश निवासी महवा (दौसा) का महवा के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद फरार हो गया ड्राइवर

हेड कॉन्स्टेबल ने बताया कि हादसे के बाद ड्राइवर कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है। क्रेन की मदद से गाड़ी को थाने लाया गया। पुलिस आरोपी ड्राइवर की तलाश कर रही है।

देर रात विधायक पहुंचे

घटना की सूचना पर गुरुवार की देर रात महवा विधायक राजेंद्र मीणा हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से घायलों का हालचाल जाना। थाना इंचार्ज जितेंद्र सोलंकी को कार ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए कहा।

मुहाना मंडी फेज-2 शिफ्ट करने का मामला

आज व्यापारियों के साथ अंतिम बैठक, नहीं माने तो लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुहाना मंडी के फेज-2 के ट्रेड को शुरू करने के लिए शुक्रवार को मंडी समिति एक बार फिर व्यापारियों के साथ फाइनल बैठक करेगी। यह बैठक सुबह 11 बजे से मंडी समिति कार्यालय में शुरू होगी। मंडी की ओर से व्यापारियों को सभी मूलभूत सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। इस बैठक के बाद व्यापारी माने तो ठीक नहीं तो उनको अंतिम चेतावनी के साथ ट्रेड शिफ्ट करने के लिए समय नहीं दिया जाएगा। क्योंकि नियमानुसार 2 साल में व्यापार शुरू करना होता है। अब 15 साल से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। ऐसे में उन्हें अब शिफ्ट करना ही होगा। मंडी समिति ने पहले 75 व्यापारियों को नोटिस दिया था। अब इस बैठक के बाद अगर व्यापारी शिफ्ट नहीं हुए तो लाइसेंस निरस्त की कार्रवाई की जाएगी। अब तक की बैठक में व्यापारी मंडी समिति से फेज-2 में शिफ्ट के लिए मूलभूत सुविधाओं की मांग करते थे। ऐसे में मंडी प्रशासन की ओर से सी, डी, ई और एफ ब्लॉक में लाइट, पानी और खुली नालियों को ढकवाने के साथ सड़क निमार्ण का काम करा दिया है। जिस ब्लॉक में डोम की व्यवस्था नहीं है, वहां पर डोम लगवाने के लिए विभाग को पत्र लिखा था। विभाग की ओर से मंडी के इन चारों ब्लॉक का निरीक्षण हो चुका है। जल्द ही बजट मिलने के बाद डोम भी लगा दिया जाएगा। गौरतलब है कि पिछले 6 महीने से मुहाना मंडी फेज-2 के व्यापारियों को शिफ्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। व्यापारी एक जुट हुए और शिफ्ट का भी सिलसिला शुरू हुआ था, लेकिन शिफ्ट का क्रेडिट लेने की होड में व्यापारियों के दो फाड हो गए। एक पक्ष ने डिप्टी सीएम के साथ 14 फरवरी को शिफ्ट कर लिया। इसके बाद कुछ व्यापारियों ने 21 फरवरी को शिफ्ट कर लिया। संपूर्ण रूप से ट्रेड शिफ्ट नहीं होने के कारण शिफ्ट हुए व्यापारी वापस लौटने की कवायद शुरू कर चुके है। ऐसे में अब उन्हें रोकन और बाकी के व्यापारियों को आने वाली परेशानियों पर चर्चा के लिए बैठक होगी।

एक्शन मोड में परिवहन आयुक्त

सेंटर पर आए बिना वाहन का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जारी, तीन सेंटर निलंबित

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। बिना सेंटर पर आए कबाड़ वाहनों का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जारी करने के मामले में परिवहन विभाग एक्शन मोड में आ गया है। अधिकारियों ने सेंटर पर बिना आए वाहनों की पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जारी करने वाले तीन पॉल्यूशन सेंटरों को निलंबित कर दिया है। वहीं आरटीओ-डीटीओ से 15 मई तक सभी पॉल्यूशन सेंटरों की जांच करके रिपोर्ट मांगी है।

यह आदेश परिवहन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने जारी किए हैं। सेंटर पर आए बिना वाहन पॉल्यूशन स?र्टिफिकेट जारी करने पर चित्तौड़गढ़ में छोटी सादड़ी स्थित पायल पीयूसी सेंटर, चित्तौड़गढ़ में ही प्रतापगढ़ स्थित वीएसएस सेंटर को निलंबित कर दिया है। ये सेंटर अब वाहनों के पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जारी नहीं कर सकेंगे। 2500 सेंटरों की 15 मई तक देनी होगी रिपोर्टः बिना आए वाहनों की पीयूसी जारी होने के बाद परिवहन आयुक्त ने प्रदेश में स्थापित 2500 सेंटरों की जांच करके 15 मई तक रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में अनियमितता मिलने वाले सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसमें पीयूसी में लगे सॉफ्टवेयर की जांच होगी। सेंटर कितने वाहनों की अब तक पीयूसी जारी कर चुके हैं। पीयूसी जारी होने वाले वाहन का वीडियो भी लेना होता है। यह सेंटर के पास उपलब्ध है या नहीं। वहीं सेंटर प्रदूषण स्तर निर्धारित मापदंड से अधिक होने पर भी प्रदूषण प्रमाण-पत्र क्यों जारी किया गया? स्मोक मीटर सही काम कर रहा है या नहीं। पीयूसी की निर्धारित फीस से अधिक तो नहीं वसूल रहे हैं। इनमें कई ऐसे वाहन थे चालू भी नहीं हो सकते थे, मगर उनके भी पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जारी कर दिए गए। दो महीने पहले पीयूसी सेंटरों पर रील का सॉफ्टवेयर स्थापित था, लेकिन अब विभाग ने एनआईसी का सॉफ्टवेयर लागू कर दिया। सॉफ्टवेयर में खामी होने की वजह से बिना आए वाहनों की पीयूसी जारी हो रही है।

मोदी–राहुल के चुनावी भाषणों पर नोटिस

– भाजपा–कांग्रेस पार्टी के अध्यक्षों से 29 अप्रैल तक जवाब मांगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के भाषणों पर नोटिस जारी किया। यह नोटिस आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर जनप्रतिनिधि कानून के सेक्शन 77 के तहत इश्यू किया गया है। आयोग ने भाजपा अध्यक्ष नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष खडगे से 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा है। चुनाव आयोग को पीएम मोदी और राहुल गांधी के भाषण में आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की गई थी। शिकायत में कहा गया कि ये लीडर्स धर्म, जाति, समुदाय और भाषा के आधार पर लोगों को बांटने और नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को जिम्मेदार माना

ये शिकायतें मिलने के बाद इलेक्शन कमीशन ने भाजपा और कांग्रेस पार्टियों के अध्यक्षों को नोटिस भेजा। आयोग ने स्टार प्रचारकों की फौज उतारने के लिए पहली नजर में पार्टी अध्यक्षों को ही जिम्मेदार ठहराया है। आयोग ने कहा कि अपने प्रत्याशियों के कामों के लिए राजनीतिक दलों को ही पहली जिम्मेदारी उठानी चाहिए, खासतौर पर स्टार कैंपेनर्स के मामले में। ऊंचे पद पर बैठे लोगों के चुनावी भाषणों का असर ज्यादा गंभीर होता है।

संदेशखाली केस में पहली एफआईआर दर्ज

कोलकाता । कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पश्चिम बंगाल के संदेशखली में जमीन हड़पने और महिलाओं के खिलाफ अपराध (यौन शोषण) से केस में पहली एफआईआर दर्ज की है। इसमें 5 मुख्य आरोपियों के नाम शामिल हैं। हालांकि ये आरोपी कौन हैं, ये सामने नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि ये प्रभावशाली लोग हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को संदेशखाली मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अपने आदेश में कहा कि सीबीआई कोर्ट की निगरानी में जांच करेगी और रिपोर्ट सौंपेगी। मामले की अगली सुनवाई 2 मई को होगी। संदेशखाली की महिलाओं ने 8 फरवरी को तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर यौन उत्पीडऩ और जबरन जमीन कब्जाने का आरोप लगाया था। मामले में 3 आरोपी शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार हिरासत में हैं।

अरुणाचल प्रदेश में लैंड स्लाइड

ईटानगर । अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली में लैंड स्लाइड के चलते नेशनल हाईवे–313 का बड़ा हिस्सा ढह गया है। चीन सीमा से लगे दिबांग वैली जिले का संपर्क पूरे देश से कट गया। दिबांग वैली जिला प्रशासन के मुताबिक बुधवार को हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। अधिकारियों के मुताबिक, लैंड स्लाइड में ढहे हिस्से के कंस्ट्रक्शन में कम से कम 3 दिन लगेंगे। कई दिनों से दिबांग वैली में जारी बारिश जारी की वजह से लैंड स्लाइड। दिबांग वैली को पूरे देश से नेशनल हाईवे 313 जोड़ता है। अधिकारियों के मुताबिक, दिबांग वैली में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। हुनली और अनीनि के बीच हाईवे 313 का काफी बड़ा हिस्सा लैंड स्लाइड में ढह गया है। हाई–वे की मरम्मत के लिए टीम भेजी गई है।

ईडी का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, केजरीवाल की गिरफ्तारी सही

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में दिल्ली शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में ईडी ने कहा कि कई बार समन भेजे जाने के बावजूद उन्होंने एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नौ बार समन मिलने के बावजूद केजरीवाल पूछताछ से बच रहे थे। उनके इसी रवैए से जांच अधिकारी को गिरफ्तारी की वजह मिली है। साथ ही जांच अधिकारी के पास मौजूद चीजों ने भी यह साबित करने में मदद की है कि वे दोषी हैं। ईडी ने यह भी कहा कि केजरीवाल को किसी दुर्भावना या दूसरे कारणों से गिरफ्तार नहीं किया गया है। किसी अपराध की जांच एक ऐसा क्षेत्र है जो जांच एजेंसी के लिए रिजर्व है। उनकी गिरफ्तारी भी जांच का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को अरविंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं।

देशभर में सौ से ज्यादा वारदातों को अंजाम देने वाले चोर को ढूंढ रही थी छह राज्यों की पुलिस, कल्याण पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याण। छह राज्यों की पुलिस उस शातिर चोर की तलाश कर रही थी, जिस पर देशभर में चोरी के 100 से ज्यादा मामले दर्ज थे। इस बीच वह चोर गुजरात पुलिस के चंगुल से भाग निकला और मुंबई से सटे कल्याण की कोलशेवाड़ी पुलिस ने उसे धर दबोचा। अब उसे गुजरात पुलिस को सौंप दिया गया है. गिरफ्तार चोर नाम राम विलास उर्फ रामा गुप्ता है. बताया गया है कि गुजरात पुलिस आरोपी राम विलास गुप्ता को बीते 10 अप्रैल को ठाणे में जांच के लिए उसे ठाणे शहर में लेकर आई थी. इसी दौरान राम विलास गुजरात पुलिस को चकमा देकर उसके चंगुल से भाग निकला। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार राम विलास एक कुख्यात चोर है. उत्तर प्रदेश का रहने वाला राम विलास गुप्ता देशभर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है. राम विलास पर सौ से ज्यादा मामले दर्ज हैं. वह महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, दिल्ली तथा आंध्र प्रदेश में कई अपराधों में फरार है। चूंकि यह शातिर चोर पुलिस हिरासत से भाग गया था, इसलिए पुलिस की कई टीमें उसे ढूंढने में लगी हुई थी। कल्याण के कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम को थाने के एक पुलिस अधिकारी दिनकर पगारे ने राम विलास के बारे में जानकारी दी। कल्याण के पुलिस उपायुक्त सचिन गुंजाल, एसीपी कल्याणजी घेटे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी दिनकर पगारे की पुलिस टीम एक गुप्त जानकारी के आधार पर कल्याण से सटे म्हारल इलाके में एक ढाबे पर पहुंची जहाँ राम विलास बैठा था. पुलिस ने उसे वहां से हिरासत में ले लिया. इसके बाद उसे गुजरात पुलिस के हवाले कर दिया गया.

तिहाड़ जेल में दो गुट आपस में भिड़े, चार कैदी घायल

नई दिल्ली। देश की जानी मानी तिहाड़ जेल में संदिग्ध गैंगवार और जेल में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर जेल नंबर 3 के अंदर कैदियों के दो समूह आपस में भिड़ गए। इसमें चार कैदियों के घायल होने की खबर है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना बुधवार सुबह की है। पुलिस ने घटना के संबंध में संबंधित धाराओं के तहत दोनों कैदियों समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि घायल अलग–अलग समूहों से थे। हमले का कारण जेल में अपना दबदबा स्थापित करना था। अधिकारी ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

राजस्थान में 73 हजार, 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया

जयपुर । राजस्थान में लोकसभा चुनाव में 73 हजार 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण के लिए 38 हजार 274 इसजरह के मतदाताओं ने घर से ही अपने मताधिकार का उपयोग किया। जबकि प्रथम चरण के तहत 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। श्री गुप्ता ने बताया कि आम चुनाव–2024 में 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग वाले मतदाताओं ने निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान किया। उन्होंने बताया कि इस विकल्प के तहत सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब तक 73 हजार 799 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 56 हजार 691 बुजुर्ग तथा 17 हजार 108 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। इस दौरान 1062 मतदाताओं की मृत्यु होने और 1207 मतदाताओं के अनुपस्थित होने की वजह से उनका मतदान नहीं हो सका।

श्री गुप्ता ने बताया कि द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत मतदाताओं में से 98 प्रतिशत से अधिक ने मतदान किया है। अब तक कुल 38 हजार 274 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों में 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। इसमें 26 हजार 569 बुजुर्ग, जबकि 8956 दिव्यांग मतदाता है। 418 मतदाताओं की मृत्यु हुई और 614 मतदाता घर पर नहीं मिले।

दिल्ली में शुक्रवार नहीं होगा मेयर इलेक्शन? 'आप' का आरोप- एलजी ने रद्द किया चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को दावा किया कि उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव को ÷रद्द÷ कर दिया है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर पद के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होने हैं। हालांकि, मेयर चुनाव रद्द करने को लेकर आप द्वारा लगाए गए आरोपों पर उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आप एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने दावा किया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि चुनाव आयोग की अनुमति के बावजूद बीजेपी ने चुनाव रद्द कर दिया है।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि चुनाव आयोग से इजाजत होने के बावजूद बीजेपी ने यह चुनाव रद्द करवा दिया। एलजी कार्यालय ने यह कहते हुए चुनाव रद्द कर दिया कि वह मुख्यमंत्री की सलाह पर काम करते हैं। ऐसे पहले भी उदाहरण हैं जब उन्होंने मुख्यमंत्री की सहायता और सलाह का पालन नहीं किया है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि पीठासीन अधिकारी से संबंधित फाइल को जानबूझकर लोक निर्माण मंत्री सौरभ भारद्वाज के बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया, जैसा कि किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ÷अगर यह फाइल पीडब्ल्यूडी मंत्री के पास जाती तो वह पीठासीन अधिकारी को सलाह देते। ऐसा न करके सरकार पर चुनी हुई सरकार को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगा।÷

दरअसल, मेयर के चुनाव के लिए एलजी सीएम की सलाह पर एक पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति करते हैं, जो मेयर का चुनाव कराता है। लेकिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में हैं और वह जेल से एलजी को पीठासीन अधिकारी के लिए सलाह नहीं दे सकते। पीठासीन अधिकारी नियुक्त करने के लिए दिल्ली के मुख्य सचिव ने फाइल आगे बढ़ाई थी। यह फाइल सीएम कार्यालय भेजी गई थी। सीएम की अनुपस्थिति के कारण यह फाइल वापस दिल्ली के मुख्य सचिव के पास आ गयी। जिसे मुख्य सचिव ने एलजी को भेज दिया।

आप ने मेयर पद के लिए महेश खिची को नामांकित किया है, जबकि रविंदर भारद्वाज डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। 45 वर्षीय खिची वर्तमान में एमसीडी हाउस में देव नगर वार्ड नंबर 84 के प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं और 2012 में इसकी स्थापना के बाद से आप से जुड़े हुए हैं। वह 2011 के इंडिया अगेंस्ट करप्शन (आईएसी) आंदोलन में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। , जिसने अंततः अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में क्के गठन का मार्ग प्रशस्त किया।

आप ने लोगों से की अपील,कहा जेल का जवाब वोट से दे जनता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को दिल्ली की जनता सेजेल का जवाब वोट से देने की अपील की। भारद्वाज और नयी दिल्ली लोकसभा सीट से प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने कार्यकर्ताओं के साथ मेट्रो स्टेशन पर आने–जाने वाले लोगों में पंपलेट बांटा और उनसे आगामी 25 मई को होने वाले मतदान में अपने वोट का इस्तेमाल देश से तानाशाही सरकार को हटाने के लिए करने की अपील की। भारद्वाज ने कहा कि अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजे जाने से दिल्ली की जनता बहुत दुखी है। लोगों ने तय किया है कि वे अपनी वोट की ताकत से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इसका जवाब देंगे। उन्होंने कहा, एक महीने बाद दिल्ली के अंदर लोकसभा का चुनाव है। दिल्ली के लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए आप अलग–अलग तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। आज हम लोग नयी दिल्ली लोकसभा सीट से के प्रत्याशी के साथ मेट्रो स्टेशनों पर पंपलेट बांट रहे हैं और लोगों से जेल का जवाब वोट से देने की अपील कर रहे हैं। आप नेता ने कहा, आज दिल्ली के लोग इस बात से बहुत दुखी है कि उनके सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री को जेल में डाला गया है। दिल्ली के लोग इसका जवाब भाजपा और केंद्र सरकार को देना चाहते हैं। आप और दिल्ली की जनता ने यह तय किया है कि हम लोग जेल का जवाब वोट सेदेंगे। हम अपने वोट की ताकत से भाजपा को बताएंगे कि जो उन्होंने जो किया वह गलत किया है।

कांग्रेस मैनिफेस्टो समझाने के लिए खड़गे ने मांगा पीएम से समय,

बोले- सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना बन गई है आपकी आदत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सबसे पुरानी पार्टी के 'न्याय पत्र' को समझाने के लिए उनका समय मांगा। कांग्रेस के घोषणापत्र का बचाव करते हुए, खड़गे ने कहा कि 'न्याय पत्र' का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और सभी जातियों और समुदायों के हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय प्रदान करना है। खड़गे ने लिखा कि आपके सलाहकार आपको उन चीजों के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं जो हमारे घोषणापत्र में भी नहीं लिखी गई हैं। मुझे आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर हमारे 'न्याय पत्र' के बारे में समझाने में बहुत खुशी होगी ताकि देश के प्रधान मंत्री के रूप में आप कोई भी गलत बयान न दें।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'संदर्भ से हटकर कुछ शब्दों को पकड़ना, सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना आपकी आदत बन गई है।' मोदी के हालिया भाषणों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वह 'प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा से न तो हैरान हैं और न ही हैरान हैं।' उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि चुनाव के पहले चरण में बीजेपी का निराशाजनक प्रदर्शन देखने के बाद आप और आपकी पार्टी के अन्य नेता इस तरह की बातें करना शुरू करेंगे। कांग्रेस वंचित गरीबों और उनके अधिकारों ('न्याय') की बात करती रही है। हम जानते हैं कि आपको और आपकी सरकार को गरीबों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है।

प्रधान मंत्री पर अपना हमला जारी रखते हुए, खड़गे ने कहा, 'आपकी 'सूट-बूट की सरकार' उन कॉरपोरेट्स के लिए काम करती है जिनके करों को आपने कम कर दिया है जबकि वेतनभोगी वर्ग उच्च करों का भुगतान करता है। गरीब भोजन और नमक पर भी जीएसटी का भुगतान करते हैं और अमीर कॉरपोरेट दावा करते हैं जीएसटी रिफंड। इसीलिए, जब हम अमीर और गरीब के बीच असमानता की बात करते हैं, तो आप जानबूझकर इसे हिंदू और मुस्लिम के साथ जोड़ रहे हैं।' खड़गे का जवाब हाल के चुनावी भाषणों में प्रधानमंत्रियों द्वारा किए गए सिलसिलेवार हमलों के बाद आया है। कांग्रेस के घोषणापत्र को 'मुस्लिम लीग की छाप' कहने से लेकर सबसे पुरानी पार्टी पर 'संपत्ति के पुनर्वितरण' की साजिश रचने का आरोप लगाने तक, मोदी ने अपनी रैलियों में प्रमुख विपक्षी दल पर हमला करने में कोई शब्द नहीं छोड़ा है।

फोन टैपिंग मामला अब भजनलाल सरकार के पाले में

–सरकार और एजेंसियों जांच कर दोषियों पर करें कार्रवाई : पूनिया

जयपुर (एजेंसी)। लोकेश शर्मा के फोन टैपिंगकांड के खुलासे के बाद इस मामले की बॉल अब भजनलाल सरकार के पाले में चली गई है। अब सवाल खड़ा हो गया है कि जो आरोप पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने लगाए हैं क्या भजनलाल सरकार उन तथ्यों की जांच करवाएगी? लोकेश द्वारा लगाए इन आरोपों से यह साफ होता है कि गहलोत सरकार को गिराने की साजिश में बीजेपी या उनके नेताओं की कोई भूमिका नहीं थी। लोकेश के खुलासे के बाद इस मामले में बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा है कि भजनलाल सरकार और जांच एजेंसियों को इन तथ्यों की जांच करनी चाहिए और जो भी दोषी हो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

लोकेश शर्मा ने जो खुलासे किए हैं उनके मुताबिक अशोक गहलोत ने ही उन्हें पेन ड्राइव में रिकॉर्डिंग मीडिया में वायरल करने को दी थी। एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में विधायकों के खरीद-फरोख्त की बात कही गई थी। लोकेश शर्मा ने कहा कि मानेसर बाड़ेबंदी में सचिन पायलट व उनके सहयोगी, गहलोत सरकार के मंत्रियों व अन्य विधायकों के फोन सर्विलांस पर थे। अशोक गहलोत यह साजिश रच रहे थे कि पायलट गुट के लिए सचिन पायलट और उनके गुट को बदनाम किया जाए ताकि उनकी कुर्सी बची रहे। लोकेश शर्मा ने यह भी कहा कि उस वक्त डीजीपी, गृहविभाग के अफसरों को फोन टैपिंगकांड की जानकारी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की छवि खराब करने के लिए सीएमआर में साजिशें होती रही। संजीवनी से जुड़े लोगों को सीएम हाउस बुलाया और उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। रीट पेपर लीक करवाने वाले राजनीतिक लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कोरोनाकाल में मेडिकल उपकरणों, दवाइयों की खरीद-फरोख्त में और महिलाओं को फ्री मोबाइल देने में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। लोकेश शर्मा ने जो तथ्य पेश किए हैं, उनकी जांच करवाने की जिम्मेदारी अब भजनलाल सरकार की है। बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी कहा है कि मैं सरकार का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन उस वक्त बीजेपी और हम पर सरकार गिराने की साजिश रचने के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने आरोप लगाए थे।

लालू के दामाद का टिकट काटकर... कन्नौज सीट से उतरे अखिलेश

–बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की

कन्नौज (एजेंसी)। शुक्रवार को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कन्नौज सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। सपा प्रमुख, (जिन्होंने 2000 और बाद में 2004 और 2009 में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था) ने राम गोपाल यादव सहित पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद रामगोपाल यादव ने कहा कि सपा भारी अंतर से सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, भाजपा उम्मीदवार इस सीट पर अपनी जमानत जब्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि सपा द्वारा पूर्व मैनपुरी सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को अपने उम्मीदवार के रूप में दाखिल करने के अपने पहले के फैसले को पूरी तरह से उलटने का प्रतीक है। अखिलेश ने कहा कि मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी, नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी की भावना थी कि मैं कन्नौज से चुनाव लड़ूं। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे यहां से आशीर्वाद मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि विकास जानबूझकर भाजपा सरकार ने रोका, क्योंकि इसकी शुरुआत समाजवादी ने की थी। बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की है। बीजेपी ने बार-बार लोगों का अपमान किया है...मैं पहले भी कन्नौज के लोगों की सेवा करने आया था। कन्नौज की जनता ने विकास होते देखा है। भाजपा सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सबसे बड़ा त्यौहार है।

रामलला के दर्शन कर नामांकन करेंगे राहुल और प्रियंका !

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी से चुनावी मैदान में उतरेंगे या नहीं, इस रहस्य से जल्द पर्दा उठने वाला है। सूत्र बताते हैं कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के बाद राहुल गांधी अमेठी से तो प्रियंका गांधी रायबरेली से नामांकन दाखिल कर सकती हैं। दावा किया जा रहा है कि कल 26 अप्रैल को केरल स्थित वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान संपन्न होने के बाद गांधी परिवार अमेठी लोकसभा सीट और रायबरेली लोकसभा क्षेत्र का रुख करेगा।

सूत्रों का कहना है कि 30 अप्रैल के पहले इस मामले पर पर कोई औपचारिक ऐलान नहीं होगा। कांग्रेस हाईकमान समेत पार्टी के कई नेता रायबरेली और अमेठी में प्रत्याशी के मुद्दे पर चुप हैं। खुद राहुल गांधी भी अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर यह बोल चुके हैं कि यह फैसला भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय चुनाव समिति करेगी। उन्होंने बीते दिनों कहा था कि मैं कांग्रेस का सिपाही हूं और मुझे जो आदेश दिया जाएगा, मैं उसका पालन करूंगा। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि अगर अमेठी और रायबरेली से क्रमशः राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं तो एक से तीन मई के बीच दोनों नेता अपनी-अपनी सीट पर नामांकन करेंगे। दोनों ही निर्वाचन क्षेत्रों में तीन मई को नामांकन का आखिरी दिन है। दोनों लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 5वें चरण के तहत 20 मई को मतदान होगा। इससे पहले कांग्रेस के कम्यूनिकेशन सेल के प्रभारी जयराम रमेश समेत कई अन्य नेता इस आशय के संकेत दे चुके हैं कि राहुल और प्रियंका लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। बीते दिनों अमेठी स्थित उस घर में साफ सफाई और पेंटिंग की तस्वीरें भी सामने आईं थीं जिसमें राहुल रहते हैं।

बताया गया है कि राहुल गांधी 27 अप्रैल को अमेठी पहुंच सकते हैं। राहुल गांधी अमेठी से नामांकन कर सकते हैं। वायनायड में मतदान के बाद राहुल गांधी अमेठी जा सकते हैं। यहां से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सामने सीपीआई की नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन की महासचिव और पार्टी के महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा से उनका मुकाबला है। 2019 में राहुल गांधी ने वायनाड सीट से चार लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। हालांकि अमेठी सीट से हार गए थे।

पैसों की किल्लत से दो चार हो रही अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा

–इसरो के लिए सरकार ने खोल दिया खजाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। अगले कुछ साल में इसरो की योजना मंगलयान-2 और शुक्र मिशन जैसे प्रोग्रामों को अंजाम तक पहुंचाने की है। इसरो के लिए मोदी सरकार के पास फंड की कोई कमी नहीं है। इसके उलट अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फंड की किल्लत से रूबरू है। न सिर्फ नासा का बजट घटता जा रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी पर ऐसी कंगाली क्यों आई है? यह समझने की कोशिश करते हैं।

अक्टूबर 1957 में सोवियत संघ ने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। तब उसने पहली आर्टिफिशियल सैटेलाइट स्पुतनिक लांच की थी। इस घटना ने अमेरिका को अपने अंतरिक्ष प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए हवा दी। वह किसी प्रतिद्वंद्वी महाशक्ति से पीछे नहीं रहना चाहता था। लिहाजा, अमेरिकी सरकार ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में संसाधन झोंककर नासा का गठन किया।

हालांकि, प्रतिस्पर्धा की वह भावना खत्म होती दिख रही है। इसका संकेत नासा की बजट कटौती को देखकर लगता है। नासा ने वित्?त वर्ष 2024 (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) में अपने सभी मिशन, स्?पेस एक्?सप्?लोरेशन और ऑपरेशन के लिए लगभग 27 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। लेकिन, इसके मुकाबले नासा को लगभग 9 प्रतिशत कम रकम मिली। पिछले वर्ष की तुलना में यह 2 प्रतिशत कम थी। अब वित्त वर्ष 2025 के लिए नासा ने जो बजट अनुरोध रखा है, वह पिछले साल की मांग से 2 अरब डॉलर कम है।

दरअसल, इसका संबंध अमेरिकी सरकार के कर्ज के बोझ से है। पिछले साल देश डिफॉल्ट के कगार पर था। वह अनावश्यक खर्च को कम कर रहा है। नासा के कार्यक्रमों को उसी का हिस्सा माना जाता है। यह दिखाता है कि 1960 के दशक के बाद से समय बदल गया है।

उस समय अमेरिका चंद्रमा की दौड़ जीतने और सोवियत संघ को हराने के लिए बेचैन था। तब नासा पर पैसा लुटाने में कोई संकोच नहीं किया। 1965 में अपने चरम पर नासा की फंडिंग कुल अमेरिकी सरकारी खर्च का लगभग 5 प्रतिशत थी। उन सभी संसाधनों का उपयोग करके नासा अपोलो बनाने में सक्षम था। यह चंद्रमा पर पहले मनुष्यों को उतारने वाला अंतरिक्ष मिशन था।

यह कार्यक्रम इतना महत्वपूर्ण था कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए प्रत्येक 5 डॉलर में से 3 डॉलर अपोलो मिशन में जाते थे। नासा ने इस पर 25 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। महंगाई की दर को एडज?स्?ट कर दिया जाए, तब आज के मूल्य में यह रकम 283 अरब डॉलर बैठती है।

हालांकि, 1969 में जैसे ही अमेरिका ने चंद्रमा पर कदम रखा, फंडिंग भी बंद होने लगी। अमेरिका को लगा कि सोवियत संघ को हरा दिया है। अपोलो मिशन ने अमेरिकियों को बांट दिया। नागरिकों के एक वर्ग को यह भी लगा कि सरकार उन लाखों अमेरिकियों की मदद करने में बेहतर पैसा खर्च कर सकती थी जो बुनियादी जरूरतें नहीं पूरी कर सकते थे। इसी के चलते नासा के लॉन्चपैड के बाहर लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। इन सबके साथ सरकार ने आगे के मिशनों को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

नासा की फंडिंग धीरे-धीरे नीचे की ओर जाने लगी।

बेशक, अमेरिका में अभी भी दुनिया में सबसे अधिक अंतरिक्ष खर्च हैं। लेकिन, नासा को बजट आवंटन से 0.4 प्रतिशत से भी कम मिलता है। नासा को यह पसंद नहीं है।

जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे

ललित गर्ग

यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत ने लगातार शांति प्रयास किये हैं। लेकिन प्रश्न है कि दुनिया को अहिंसा, अयुद्ध एवं शांति का सन्देश देने वाला भारत क्यों हथियारों की दोड़ में शामिल है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध एवं हथियारों की विभीषिका से मुक्ति दिलाना आवश्यक है। युद्धरत देशों में शांति स्थापित कर, उन्हें अभय बनाकर, युद्ध-विराम करके विश्व को निर्भय बनाना चाहिए।

शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च, शस्त्रीकरण एवं घातक हथियारों की होड़ किसी खतरे की घंटी से कम नहीं। शस्त्रीकरण के भयावह दुष्परिणामाओं से समूचा विश्व भयाक्रांत है, हर पल आणविक हथियारों के प्रयोग को लेकर दुनिया डर के साये में जी रही है। इसीलिये आज अयुद्ध, निशस्त्रीकरण एवं शांति की आवाज चारों ओर से उठ रही है। शक्ति संतुलन के लिये शस्त्र-निर्माण एवं शस्त्र संग्रह की बात से किसी भी परिस्थिति में सहमत नहीं हुआ जा सकता। क्योंकि इससे अपव्यय हो होता ही है, साथ ही किसी भी गलत हाथों से दुरुपयोग होने की बहुत संभावनाएं रहती है। ताजा घटनाक्रम को देखें तो एक ओर रूस और यूक्रेन आमने-सामने हैं, वहीं दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच तल्खी भी चरम पर है। चीन और ताइवान के बीच भी रह-रह कर युद्ध के बदल मंडरा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल भी गूंजना स्वाभाविक है कि क्या सचमुच दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ते हुए घातक हथियारों के उपयोग की प्रयोगभूमि बन रही है? सवाल दूसरे ओर भी हैं। स्टॉकहोम इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हथियारों पर आयी ताजा रिपोर्ट ऐसे ही सवाल खड़े कर रही है। इसका संतोषजनक जवाब शायद ही मिले क्योंकि दुनिया सीधे-सीधे दो खेमों में बंट गई है।

स्टॉकहोम की रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, डराने वाले हैं। शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च का बढ़ना एवं नये-नये हथियारों का बाजार गरम होना, चिन्ताजनक है। रिपोर्ट में खास बात यह है कि दुनिया में स्वाधिक सैन्य खर्च करने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर बरकरार है। शांति एवं अहिंसा की भूमि पर हथियारों का जमावड़ा उसकी कथनी एवं करनी के भेद को उजागर कर रहा है। ये सवाल स्वाभाविक है कि जब प्रत्येक देश शाांति बनाए रखने की वकालत करता है फिर हथियारों की होड़ लगातार क्यों बढ़ रही है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन चुका है। स्टॉकहोम की ओर से जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। भारत ने बीते पांच साल में दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यूरोप का हथियार आयात 2014-18 की तुलना में 2019-23 में लगभग दोगुना बढ़ा है, जिसके पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं, इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा हथियार एशियाई देशों ने खरीदे हैं। इस लिस्ट में रूस-यूक्रेन का युद्ध देश के रक्षा निर्यात को काफी प्रभावित किया है। इस कारण से पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। तो वहीं, अमेरिका पहले और फ्रांस दूसरे नंबर पर है।

पिछले 25 सालों में पहली बार, संयुक्त राज्य अमेरिका एशिया और ओशिनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ-साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। अमेरिका दुनिया पर आधिपत्य स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिये जिस अपसंस्कृति को उसने दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता कराह रही है, पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड आर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है लगता है 'विश्वमानव' का दम घुट रहा है और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए। 2014 में अमेरिका में हत्या के कुल दर्ज करीब सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था।

एक तरफ अमरीका और उसके सहयोगी नाटो देश हैं तो दूसरी तरफ रूस-चीन का गठजोड़ है। तटस्थ रहने वाले देश भी गाहे-बगाहे अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी खेमे की तरफ झुकाव प्रदर्शित करते रहे हैं। ऐसे में आखिरी उम्मीद संयुक्त राष्ट्र ही रह जाता है। जबकि संयुक्त राष्ट्र की शक्तियां एवं उद्देश्य कोरे दिखावे के हैं, समूची दुनिया इससे वाकिफ है। वह ऐसे किसी भी संकट में शांति प्रस्ताव पारित कर अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री कर पला झाड़ लेता है। वह न तो रूस-यूक्रेन के संघर्ष में और न ही इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष रोकने में कोई सार्थक भूमिका अदा कर पा रहा है। उसके कड़े से कड़े फैसले भी आखिर में महाशक्तियों के वीटो के सामने हथियार डाल देते हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अस्तित्व में आया संयुक्त राष्ट्र कहने को तो दुनिया के देशों का सबसे बड़ा मंच है पर युद्धों को रोकने में उसकी भूमिका नगण्य है। ऐसे में दुनिया में बढ़ते हथियारों की होड़ एवं युद्ध की संभावनाओं को आखिर कौन-कैसे-किसको रोके? जाहिर है, ऐसी परिस्थितियों में तो हथियारों की होड़ बढ़ेगी ही। अमरीका एक तरफ युद्ध की तरफ बढ़ रहे देशों से शांति की अपील करने में सबसे आगे रहता है। लेकिन दूसरी तरफ अमरीकी हथियार कंपनियां तमाम देशों को खरबों रुपए के हथियार बेच रहीं है। इन कंपनियों के लिए तो युद्धकाल ही स्वर्णकाल होता है। ऐसे दौर में जब अधिकांश देश शिक्षा, रोजगार व सेहत के मोर्चे पर संकटों का सामना कर रहे हैं, हथियारों की इस होड़ को रोका ही जाना चाहिए।

रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भीषणतम तबाही एवं सर्वनाश का कारण बनता दिख रहा है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा ह्यडर्टी बमह्न का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा।

यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत ने लगातार शांति प्रयास किये हैं। लेकिन प्रश्न है कि दुनिया को अहिंसा, अयुद्ध एवं शांति का सन्देश देने वाला भारत क्यों हथियारों की दोड़ में शामिल है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध एवं हथियारों की विभीषिका से मुक्ति दिलाना आवश्यक है। युद्धरत देशों में शांति स्थापित कर, उन्हें अभय बनाकर, युद्ध-विराम करके विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी। यथार्थ यह है कि अंधकार प्रकाश की ओर चलता है, पर अंधापन मृत्यु-विनाश की ओर। लेकिन रूस ने अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का अहसास एक गलत समय पर गलत उद्देश्य के लिये कराया है। इस युद्ध से होने वाली तबाही रूस-यूक्रेन की नहीं, बल्कि समूची दुनिया की तबाही होगी, क्योंकि रूस परमाणु विस्फोट करने को विवश होगा, जो दुनिया की बड़ी चिन्ता का सबब है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। लेकिन प्रश्न है कि जो देश हथियारों के निमार्ता है, वे क्यों चाहेंगे कि युद्ध विराम हो। जब तक शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों की शस्त्रों के निर्माण एवं निर्यात की भूख शांत नहीं होती तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में तैरती रहेगी, इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

विज्ञापन का विज्ञापन

भ्रामक विज्ञापनों की सुनवाई का दायरा बढ़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पंतजलि आयुर्वेद को कड़ी फटकार लगाई। अपनी दवाओं के लिए भ्रामक दावों को लेकर अदालत की अवमानना करने पर सुनवाई चल रही है। अदालत ने आदेश जारी किया कि वह बड़े साइज में माफीनामे का विज्ञापन जारी करें। रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत को बताया कि माफीनामा 67 अखबारों में दिया गया है। इस पर अदालत ने जानना चाहा कि क्या यह पिछले विज्ञापनों के आकार का था। रोहतगी के इस पर केवल दस लाख रुपये खर्च करने पर कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। साथ ही, यह भी कहा कि हमें पंतजलि के खिलाफ ऐसी याचिका दायर करने के लिए आईएमए पर एक हजार करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाने की मांग की गई है जिस पर अदालत ने प्रॉक्सी याचिका होने का संदेह व्यक्त किया। केंद्र को इस पर जागना चाहिए कहते हुए देश की सबसे बड़ी अदालत ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी लताड़ लगाई। पंतजलि आयुर्वेद के उत्पादों और उनके चिकित्सकीय प्रभावों के विज्ञापनों से संबंधित अवमानना कार्रवाई के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को अपने समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। यह सुनवाई इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर जारी है। पंतजलि योगपीठ को भी अब सेवा शुल्क का भुगतान करना होगा, जुमार्ना और ब्याज के रूप में उसे साढ़े चार करोड़ रुपये भी अदा करने हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार रामदेव की नेटवर्थ चौदह सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की है। पंतजलि का कुल रेवन्यू तीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। निःसंदेह उन्होंने आयुर्वेद और योग को पुनः प्रचारित करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसके अलावा, योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति आमजन में ललक पैदा करने में भी उन्होंने महती भूमिका निभाई है। मगर इसके लिए भ्रम फैलाने या भ्रामक विज्ञापनों के जरिए जनता को बरगलाने की उन्हें छूट तो नहीं ही मिल सकती। मंत्रालय को भी इसके लिए दोषी माना जाना जरूरी है। बात यहां अकेले पंतजलि की नहीं है, बल्कि कोई भी कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए यदि इस तरह का भ्रम फैलाने की कोशिश करती है तो उस पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, भविष्य में भी इस तरह की हरकत करने पर भारी जुमार्ना जड़ा जाना चाहिए। मरीजों और उपभोक्ताओं के अधिकारों को लेकर जिस तरह की लापरवाही अपने यहां जारी है, उसे रोकने के कड़े कदम तत्काल उठाए जाने बेहद जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

घटता मतदान प्रतिशत किस खतरें का संकेत...?

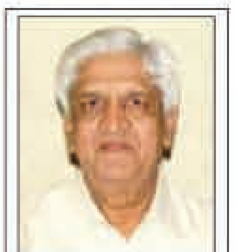

ओमप्रकाश मेहता

विश्व के सबसे बड़े और प्राचीन लोकतंत्री देश भारत की आजादी के पचहत्तर वर्ष बाद आज विश्वस्तर पर यह चिंता व्यक्त की जा रही है कि क्या भारत में लोकतंत्र के प्रति आस्था में कमी आती जा रही है? क्या देशवासी लोकतंत्र की कथित राजनीतिक तानाशाही से परेशान होकर 'अंग्रेज राज' को याद कर रहे है? क्या लोकतंत्र की रीढ़ चुनाव प्रणाली के प्रति आम रूचि कम हो रही है? ये कुछ ऐसे सवाल है, जो आज मानव के सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में उठाए जा रही है, इसका सबसे मुख्य उदाहरण हर चुनाव के समय मतदान प्रतिशत में स्पष्ट हो रही कमी है, इसका ताजा उदाहरण लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में हुआ मतदान है, जिसमें पूर्व चुनावों की तुलना में दस प्रतिशत से भी कम मतदान सामने आया है। इसलिए यदि लोकतंत्रीय नजरिये से देखा जाए तो यह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़े खतरे का संकेत है।

वैसे भी आज कांग्रेस सहित करीब-करीब सभी प्रतिपक्षी दल यह गंभीर आरोप लगा रहे है कि 2024 का लोकसभा चुनाव हमारे लोकतंत्री देश का आखरी चुनाव होगा, अब प्रतिपक्ष किन संकेतों के आधार पर यह आशंका व्यक्त कर रहा है? यह तो वहीं जाने, किंतु वास्तविकता यह भी है कि आम भारतीय नागरिक की प्राथमिकताओं में मतदान प्राथमिकता नहीं रहा है, खासकर देश का भविष्य युवावर्ग तो इस लोकतंत्री प्रक्रिया से दिल दिमाग और देशभक्ति के साथ जुड़ने की कौशिश ही नही कर रहा है, देश का नौकरीपेशा मतदाता वर्ग जहां मतदान दिवस का अवकाश अपने परिवार के साथ मौजमस्ती के साथ मनाने को आतुर रहता है। वहीं युवा वर्ग की भी प्राथमिकता में मतदान नही है, उसकी सोच है कि 'अवकाश की मौजमस्ती में यदि समय मिला तो वोट डाल आएंगें' और यदि वह इन क्षणों में मतदान केन्द्र पर जाता है और उसे वहां वोट डालने वालों की लम्बी लाईन नजर आती है तो वह बिना वोट डाले वापस अपनी मस्ती में शामिल हो जाता है, कुल मिलाकर मतलब यह कि मतदान अब युवाओं की प्राथमिकता नही रहा, और इस वर्ग के सदस्यों को परिवार के वृद्धजन कितना ही लोकतंत्री महत्व नागरिक कर्तव्य का ज्ञान दे, किंतु इस कथित अरूचिपूर्ण उपदेश को वह एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल बाहर करता है, मतदान प्रतिशत दिनों दिन कम होने का यह भी एक मुख्यकारण है।

भारत की इस अहम्‍ समस्या के पीछे दोषी युवा वोटर नहीं बल्कि हम सब है, जिन्होंने हमारी नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता व राष्ट्रज्भक्ति का पाठ ही नही पढ़ाया, यदि उनकी प्रारंभिक घरेलु शिक्षा में इस विषय को भी शामिल कर लिया होता तो आज हमें यह दिन देखने को मजबूर नहीं होना पड़ता। वैसे यदि अपने दिल पर हाथ रखकर यदि हम यह आत्मचिंतन करें कि हम स्वयं कितने राष्ट्रज्भक्त व नागरिक कर्तव्यों व अधिकारों के सही उपयोगकर्ता है? तो हम स्वयं अपने से ही निराश होगें, क्योंकि हम भी पारिवारिक व सामाजिक आपाधापी में देश और अपने कर्तव्यों के बारे में आत्मचिंतन-मनन करने का वक्त ही कहां मिल पाता है?

....पर अभी भी वक्त है, हमें अपनी नीजि चिंताओं के साथ राष्ट्र की चिंता के साथ भी जुड़ना पड़ेगा और आज की राजनीति देश को किस दिशा में ले जा रही है, इस पर गंभीर देशहित में आत्मचिंतन करना पड़ेगा, वर्ना फिर हमें भी वही घीसी-पीटी कहावत 'अब पछतावत होत का, जब चिड़िया चुग गई खेत', बार-बार दोहराना पड़ेगा, इसलिए चुनावी लोकतंत्र की इस अहम्‍ बेला में मेरा अनुरोध है कि पूरा देश इन संकेतों को गंभीरता से लेकर आत्मचिंतन कर देशहित में कुछ संकल्प लें।

दुनिया को समझना होगा 'माता भूमि, पुत्रोह्म पृथिव्याः' का निहितार्थ

आज प्लास्टिक, मिट्टी, पानी, और वायु का प्रदूषक बनता जा रहा है। जमीन पर पड़े हुए प्लास्टिक से धूप के कारण अपर्दन से टूटकर सूक्ष्म कण मिट्टी में मिल जाते हैं और मिट्टी के उपजाऊपन को नष्ट करने का काम करते हैं। पानी में मिल कर मछलियों के शरीर में पहुंच कर खाद्य शृंखला का भाग बन कर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन जाते हैं। जलाए जाने पर वायु में अनेक विषैली गैसें वायु मंडल में छोड़ते हैं जिससे वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं।

प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है। उसके पास जो तकनीक है, उसमें केवल दशमलव दो (.2) प्रतिशत ही गैस उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पैकिंग सामग्री तैयार करना नवाचार की दूसरी चुनौती है। गांव में भी अब तो प्लास्टिक कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं। आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं। प्लास्टिक के पुनः चक्रीकरण के लिए यह जरूरी है कि प्लास्टिक और अन्य सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र किया जाए। और कबाड़ी को दिया जाए। जो बच जाए उसे निबटाने के दुसरे सुरक्षित तकनीकी उपायों की सरकारें व्यवस्था करें।

एक विचार यह भी जोर पकड़ रहा है कि जो पैदा करे वही कचरे के प्रबंधन का जिम्मेदार ठहराया जाए ताकि ये पैकिंग करके सामान बेचने वाली कंपनियां पैकिंग सामग्री एकत्रित करवा कर वापस लें, और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था करें।

किन्तु केवल प्लास्टिक ही जलवायु परिवर्तन का कारक नहीं है। रासायनिक कृषि के कारण भी भूमि की जैविक पदार्थ धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाति है जिससे कार्बन पदार्थ का भूमि में संचय नहीं होता दूसरा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाति है। जैविक कृषि को प्रोत्साहित करके और वैज्ञानिक आधार पर विकसित करके इस समस्या से निपटा जा सकता है। भारत में इस दिशा में कुछ काम होना शुरू भी हुआ है किन्तु इसे अभी तक मुख्यधारा बनाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए अधिक वैज्ञानिक शोध की जरूरत है ताकि रासायनिक विधि के बराबर ही उत्पादन करके दिखाया जाए और अन्न सुरक्षा की चुनौती पर कोई खतरा आने की चिंता न रहे।

जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की है। हमारे देश में कुल विद्युत उत्पादन 428 गीगा वाट है। जिसमें से 71 प्रतिशत कोयले और जीवाश्म ईंधन से हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 168.96 गीगा वाट है। जिसमें से 42 गीगा वाट जल विद्युत का उत्पादन है। किन्तु जल विद्युत भी जब बड़े बांधों के माध्यम से बनाई जाती है तो जलाशयों में बाढ़ से संचित जैव पदार्थ आक्सीजन रहित सड़न द्वारा मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड से छह गुणा ज्यादा वैश्विक तापमान वृद्धि का कारक है। इसलिए एक सीमा से ज्यादा जल विद्युत का प्रसार भी ठीक नहीं। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है।

भारत वर्ष में पिछले कुछ सालों में सौर ऊर्जा उत्पादन में अच्छा काम हुआ है। भारत वर्ष में 2030 तक 500 गीगा वाट स्वच्छ उर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आशा है इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किन्तु बड़े ऊर्जा पार्क बना कर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है जिससे कई समुदायों की रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं जिसके विरुद्ध कई आवाजें उठती रहती हैं, और संघर्ष खड़े हो जाते हैं। इन जायज संघर्षों को अकसर शासन और प्रशासन स्थानीय समुदायों की कठिनाई को समझ कर समाधान करने के बजाए उनसे टकराव का रास्ता चुनती हैं और उन्हें देशविरोधी, विकास विरोधी ठहराने के अवास्तविक और अनावश्यक प्रयास करते हैं। जिससे बेगुनाह लोग अत्याचार और शोषण का शिकार हो जाते हैं और समाज में असंतोष बढ़ता है। हमें याद रखना चाहिए कि विकास का मतलब समावेशी विकास होता है। राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ही विकास का मुख्य लाभ पहुंचने से आय का न्यायपूर्ण बंटवारा नहीं हो सकता। अतः उत्पादन का यथा संभव विकेन्द्रित तरीका ही अपनाया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए भारत में 6 लाख के लगभग गांव हैं। यदि हर गांव में एक मैगा वाट सौर उर्जा उत्पादन घर की छतों पर और बेकार जगहों पर किया जाए तो बिना किसी एक जगह संसाधनों पर बड़ा दबाव बनाए 6 लाख मेगा वाट बिजली का उत्पादन हो सकता है।उत्पादन के इस तरीके से लाखों लोगों को रोजगार और स्व रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। अतः जरूरत टकराव की नहीं बल्कि विचार आदान-प्रदान की है। कौन विचार कितना करणीय है यह अपने देश की स्थितियों के अनुरूप तकनीकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करके देखा जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह की अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, ग्लेशियर पिघलने की, रेगिस्तानों में अभूतपूर्व बारिश की, समुद्री जल स्तर बढने की जो घटनाएं हो रही हैं ये दुनिया भर के लिए चेतावनी हैं। दुबई, इंडोनेशिया, और अफ्रीकी देशों की हाल की बेमौसमी बाढ़ें, यूरोप और अमेरिकी देशों के बेमौसमी बर्फीले तूफान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां हैं। गरीब देशों और कृषि प्रधान देशों पर इसका सबसे ज्यादा हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। गरीब देशों में भी सबसे गरीब लोग ही ज्यादा प्रभावित हों रहे हैं। इस तरह जलवायु परिवर्तन सामाजिक न्याय के लिए भी वैश्विक स्तर पर बड़ी चुनौती बन कर खड़ा है, जिससे निपटने में देर आत्मघाती ही सिद्ध होगी।

- कुल भूषण उपमन्यु

आगरा में पीएम मोदी ने कांग्रेस को जमकर 'फटकारा'

जब तक मोदी जिंदा है... कांग्रेस ओबीसी कोटा, विरासत संपत्ति और महिलाओं का हक नहीं छीन सकती, धर्म आधारित आरक्षण असंभव

पीएम ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि आज मैं आपसे विकसित भारत के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। इसीलिए, देश एकजुट होकर कह रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने इंडी गठबंधन के उस आरोप का करारा जवाब दिया जिसमें संविधान खत्म करने का आरोप लगा। कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान करती रही। कांग्रेस सामाजिक न्याय की तो धज्जियां उड़ा देती है। इंडी गठबंधन घोर तुष्टीकरण में जुटा है। कांग्रेस का मेनिफेस्टो सिर्फ वोट बैंक के लिए है।

इंडी गठबंधन तुष्टीकरण, सामाजिक भेदभाव करने के साथ सनातन को गाली दे रहा

एजेंसी ▶▶ आगरा

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की 8 सीट पर मतदान होना हैं। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने इंडी गठबंधन के उस आरोप का करारा जवाब दिया जिसमें संविधान खत्म करने का आरोप लगा। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान बनाने वाले बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान करती रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जो आए दिन बाबा साहेब का अपमान करती है, संविधान का अपमान करती है और सामाजिक न्याय की तो धज्जियां उड़ा देती है। कांग्रेस ने कभी कर्नाटक में, कभी आंध्र प्रदेश में, कभी अपने घोषणा पत्र में बार-बार धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालत की। लेकिन, इंडी गठबंधन घोर तुष्टीकरण में जुटा है।जो मेनिफेस्टो जारी किया है, उस पर 100 फीसदी मुस्लिम लीग की छाप है। कांग्रेस का पूरा मेनिफेस्टो सिर्फ वोटबैंक को मजबूत करने के लिए समर्पित है। जबकि, हमारा मेनिफेस्टो देश को मजबूत करने के लिए समर्पित है।

दो लड़कों की दोस्ती तुष्टीकरण की राजनीति

पीएम कहा कि उत्तर प्रदेश में जो 2 लड़कों में दोस्ती है, इसका आधार भी ये तुष्टिकरण की राजनीति ही है। दोनों मिलकर भाषण में तो ओबीसीओबीसी करते हैं और पिछले दरवाजे से ओबीसी का हक छीनकर अपने वोटबैंक को मजबूत करने के लिए देना चाहते हैं। अब कांग्रेस ने ठान लिया है कि वो धर्म के आधार पर रिजर्वेशन लाकर रहेगी। कांग्रेस ने तरीका निकाला है कि 27 फीसदी का ओबीसी कोटा है, उसमें से कुछ चोरी कर लिया जाए, छीन लिया जाए और धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया जाए।

संतुष्टीकरण की ओर आगे बढ़ रहा देश

पीएम ने कहा कि देश तुष्टीकरण को समाप्त करके, संतुष्टीकरण की ओर आगे बढ़ रहा है। हमारा रास्ता संतुष्टीकरण का है। सबका साथ, सबका विकास का मंत्र भी उसी का महामार्ग है। हमारा सेक्युलरिज्म भी वही है कि जो भी योजना जिसके लिए बने, बिना धर्म, जाति, भेदभाव के उसका लाभ सबको मिलना चाहिए। सच्चा सामाजिक न्याय भी यही है जब आप बिना भेदभाव सबका हक पूरा करें।

इंडी-गठबंधन के लिए अपना वोट बैंक ही खास

हमारा 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड हो या संकल्प पत्र, हमारा जोर सैचुरेशन पर है। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबको मिले, पूरा लाभ मिले, बिना बिचौलियों के मिले, बिना रिश्वत हकदार को मिले।

इन्हें भारत की बढ़ती ताकत पसंद नहीं

भारत की बढ़ती हुई शक्ति कुछ ताकतों को पसंद नहीं आ रही है। यहां डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है, उसमें देश की सेना के लिए, आत्मनिर्भर बनने के लिए, दुनिया में निर्यात के लिए घातक अस्त्र-शस्त्र बनेंगे। जो हथियारों के दलाल हैं, जो पुरानी सरकारों में घुस देकर अपना काम करा लेने में एक्सपर्ट हो गए थे और पुरानी सरकारों में बैठे हुए लोगों को भी ये मलाई खाने को मिलती थी, अब नहीं मिल रही है।

तेलंगाना में गृहमंत्री शाह का ऐलान

एससी-एसटी, ओबीसी को ही मिलेगा आरक्षण

सिद्दीपेट। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना के सिद्दीपेट में एक जनसभा में कहा कि अगर हम सत्ता में आए तो भाजपा

तेलंगाना में मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म कर देगी और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को इसका लाभ देगी। भाजपा ने फैसला किया है कि वे तेलंगाना में कांग्रेस और टीआरएस द्वारा मुसलमानों के लिए किए गए आरक्षण को खत्म करेगी। यह आरक्षण एससी, एसटी और ओबीसी को दिया जाएगा। अमित शाह ने कांग्रेस पर तेलंगाना को 'दिल्ली का एटीएम' बनाने का आरोप लगाया।

लखीमपुर खीरी में राजनाथ की कांग्रेस को खरी-खरी

अब भारत बोलता है और पूरी दुनिया कान खोल सुनती है

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखीमपुर खीरी में भाजपा प्रत्याशी अजय मिश्र टेनी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का कद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। अब भारत कुछ बोलता है तो दुनिया कान खोलकर सुनती है। कांग्रेस की सरकार में आए दिन किसी न किसी राज्य में आतंकी वारदातें होती थीं। भारत सरकार ने आतंकवाद का सफाया किया है उसकी सराहना आज दुनियाभर में हो रही है।

कांग्रेस गरीबी नहीं मिटा पाई

सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने कहा कि हमें जिताओ हम गरीबी मिटा देंगे, लेकिन हिंदुस्तान की गरीबी बढ़ती चली गई। मोदी सरकार में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया।

खरगे का पीएम को पत्र

मिलकर घोषणा पत्र समझा दूंगा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है और उनसे मुलाकात का वक्त मांगा है। उनका कहना है कि वे पीएम से मिलकर घोषणा पत्र उन्हें समझाना चाहते हैं ताकि वह उसे लेकर कोई ऐसा बयान न दें, जो गलत हो। पीएम कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर गलत बयान दे रहे हैं और सांप्रदायिक विभाजन की कोशिश की जा रही है। खरगे ने कांग्रेस पर संसाधनों के पुनर्वितरण और 'विरासत कर' संबंधी आरोप लगाए जाने के बाद यह पत्र लिखा है।खरगे ने कहा आपके भाषणों से मैं बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं।

पीएम-राहुल के भाषणों पर ईसी की कार्रवाई

नोटिस देकर 29 तक मांगा जवाब

नई दिल्ली। आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पीएम मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषणों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक दोनों पार्टियों से जवाब मांगा है। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी।

अखिलेश यादव ने कन्नौज से भरा नामांकन

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को कन्नौज सीट से नामांकन दाखिल किया। उन्होंने 4सेट में अपना पत्र दायर किया है। इस दौरान उनके साथ प्रो. रामगोपाल यादव, सपा जिलाध्यक्ष कलीम खान, पूर्व विधायक कल्याण सिंह दोहरे और पार्टी के प्रदेश सचिव आकाश शाक्य प्रस्तावक के रूप में मौजूद थे।

शरद पवार ने जारी किया घोषणा पत्र

नौकरी और महिला आरक्षण का किया वादा

मुंबई। लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी- शरद चंद्र पवार ने घोषणापत्र जारी कर दिया। महिला सुरक्षा के लिए काम

करने का वादा किया गया है। एलपीजी सिलेंडर की कीमत कम करने का भी वादा किया गया है।घोषणापत्र का नाम एससीपीथ पत्र रखा है। घोषणापत्र में जाति जनगणना के लिए समर्थन जताते हुए किसानों के कल्याण के लिए एक अलग आयोग के गठन, प्रशिक्षुता का अधिकार, नौकरियों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया गया।

यूट्यूबर मनीष कश्यप भाजपा में शामिल

बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप भाजपा में शामिल हो गए है। उन्होंने दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। कश्यप ने कहा कि मेरी विचारधारा भाजपा से मिलती है। भाजपा नेता मनोज तिवारी ने मेरी मां को फोन कर मुझे शामिल होने के लिए कहा। मैं अपनी मां की बात नहीं टाल सकता।

खबर संक्षेप

अहमदाबाद में चले पत्थर, महिला की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एक स्थानीय मंदिर उत्सव के पर्चे में नाम प्रकाशित

करने को लेकर दो गुटों में झड़प हो गई। इस झड़प में एक 80 वर्षीय महिला की सीने पर पत्थर लगने से मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल भी हुए। मृतक की पहचान लीराबेन भरवाड के तौर पर की गई है। मंदिर उत्सव में एक समूह पर्चे में कुछ नाम शामिल करना चाहता था, लेकिन दूसरे समूह को आपत्ति थी।

संदेशखाली केस में 5 को बनाया आरोपी

कोलकाता। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में 5 प्रभावशाली लोगों के खिलाफ

ज़मीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध पहला मामला दर्ज किया है। यह मामला भूमि हड़पने का है जहां पीड़ित परिवार की महिलाओं को प्रभावशाली लोगों से कथित रूप से यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।आरोपियों और पीड़ितों की पहचान उजागर नहीं की है।

सूर्यापेट में कार-ट्रक की टक्कर, 6 लोगों की मौत

सूर्यापेट। तेलंगाना के सूर्यापेट में गुरुवार को भीषण सड़क दुर्घटना में एक बच्ची सहित 6 लोगों की मौत

हो हई। एक कार की ट्रक से टक्कर हो गई। यह दुर्घटना हैदराबाद से लगभग 180 किमी दूर स्थित इस जिले के कोडाडा शहर के पास हुई। ये मृतक कार में सवार थे। गुरुवार तड़के हादसा के वक्त कार में 10 लोग सवार थे। 4 यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

दूसरे चरण के लिए वोटिंग, आज प्रत्याशियों का 'लक होगा लॉक'

'राम' समेत बिरला, हेमामालिनी, चंद्रशेखर राहुल और कुमारस्वामी की प्रतिष्ठा दांव पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दूसरे चरण के लिए 13 राज्यों की 88 सीटों पर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव का प्रचार अभियान बुधवार शाम थम गया। इस चरण में केरल में 20, कर्नाटक में 14, राजस्थान में 13, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 8-8, मध्य प्रदेश में 6, असम और बिहार में 5-5, बंगाल और छत्तीसगढ़ में 3-3 और मणिपुर, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर में एक-एक सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में मध्य प्रदेश की 7सीटों पर चुनाव होना था, लेकिन बैतूल सीट पर प्रत्याशी के निधन के बाद चुनाव टल गया। अब वहां अगले चरण में चुनाव होगा। इस चरण में केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर तिरुअनंतपुरम, भाजपा के तेजस्वी सूर्या कर्नाटक, हेमा मालिनी और भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल उत्तर प्रदेश से, कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड और शशि थरूर तिरुअनंतपुरम, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के भाग्य का फैसला होगा।

खास बातें

- 13 राज्यों की 88 सीटों पर होगा मतदान
- सबसे ज्यादा केरल की 20 सीटें शामिल
- राजस्थान की 13 सीटों पर भी होगी वोटिंग

अरुण गोविल

हेमा मालिनी

ओम बिरला

राहुल गांधी

ये रहा सीटों का गणित

मध्य प्रदेश की 6 सीटें भी शामिल

दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है। इस में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की 8-8, बिहार की 5सीटों के लिए वोटिंग होनी है। केरल की सभी 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, मध्य प्रदेश की 6, असम की पांच, बंगाल,छत्तीसगढ़ की 3-3, मणिपुर, त्रिपुरा और जम्मू कश्मीर की एक-एक सीट हैं।

102 सीटों पर मतदान हो चुका संपन्न

7 चरण में हो रहे चुनाव के पहले चरण में पिछले शुक्रवार को 21 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीट पर लगभग 65.5 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना की थी। इससे देश का चुनावी माहौल अब काफी गर्म हो गया है।

घुसपैठ के साथ ही ओबीसी आरक्षण का मुद्दा रहा हावी

उन्होंने आरोप लगाया है कि विपक्षी दल लोगों की मेहनत की कमाई और कीमती सामान घुसपैठियों और जिनके अधिक बच्चे हैं को देने की योजना बना रही है। ये बातें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के भाषण का हवाला देते हुए कही थी। कांग्रेस ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में निराशा का सामना करने के बाद प्रधानमंत्री लोगों को वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए झूठ का सहारा ले रहे हैं।

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

मुख्यमंत्री हैं तो क्या गिरफ्तार नहीं होंगे अरविंद केजरीवाल

- उनके आचरण से ही लग रहा कि वे शराब घोटाले के दोषी

नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। कई बार जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दिया है।

ईडी ने बताया कि केजरीवाल ने जांच अधिकारी को अपने आचरण से दिखाया है कि वो मनी लॉन्ड्रिंग के दोषी हैं चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर जवाबी हलफनामे में कहा कि 9 समन के बावजूद पूछताछ से बच रहे थे।

केजरीवाल की याचिका खारिज करने योग्य

केजरीवाल की याचिका को 'योग्यताहीन' और खारिज किए जाने योग्य बताते हुए ईडी ने कहा

कि जिस कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया है, उसके कारणों को विभिन्न अदालतों ने अध्ययन किया है। आप ने आरोप लगाया कि ईडी 'झूठ बोलने की मशीन'बन गई है। ईडी ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है और इसे खारिज किया जा सकता है। दूसरा तर्क यह दिया गया कि जांच एजेंसी के पास मौजूद सामग्री ने उसके लिए सारे सबूत जुटाने के लिए गिरफ्तार करने का रास्ता अपनाया है।

हमारे लिए बड़ा नेता और आम आदमी एक बराबर

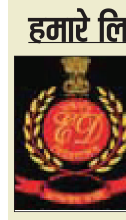

ईडी ने कहा कि गिरफ्तारी जांच का हिस्सा है और अपराध की जांच के लिए विशेष रूप से ये जांच एजेंसी के अधिकार क्षेत्र में है। हमारे लिए कोई बड़ा नेता हो या आम आदमी उसके खिलाफ सबूतों को देखा जाता है। ईडी ने कहा कि केजरीवाल सीएम हैं तो इसका मतलब ये नहीं कि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।

ज्ञानवापी पर फैसला सुनाया था

जज को इंटरनेशनल नंबर से मिली धमकियां, सुरक्षा की मांग

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने वाले जज रवि दिवाकर को बरेली में विदेशी कॉल से धमकियां मिल रही हैं। इस संबंध में जज रवि दिवाकर ने बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर अवगत कराया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 15 अप्रैल की शाम 8:42 बजे इंटरनेशनल नंबर से जज रवि दिवाकर के पर्सनल नंबर पर एक कॉल आई, जिसमें धमकी दी गई। हालांकि जज की ओर से इस कॉल के बाद किसी कॉल का जवाब नहीं दिया गया. इस बारे में जानकारी देते हुए न्यायाधीश रवि दिवाकर के स्टाफ ने बताया कि कुछ दिन पहले

अनजान फोन से धमकी मिली थी। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर घटना की जानकारी दी गई है. पहले भी जज रवि दिवाकर को धमकी मिलती रही हैं। ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने के बाद रवि दिवाकर का तबादला बरेली हो गया था। इसके बाद शासन की ओर से न्यायाधीश रवि दिवाकर और इनके परिवार को सुरक्षा दी गई।

2024 का लोकसभा चुनाव कई मायनों में होगा खास

इसके आंकड़े उड़ा देंगे होश, दोगुना खर्च

यह दुनिया का सबसे महंगा इलेक्शन होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव पिछले रिकॉर्ड तोड़ने और दुनिया का सबसे महंगा चुनावी आयोजन बनने की राह पर है। एनजीओ सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (सीएमएस) ने यह दावा किया कि इन लोकसभा चुनाव में अनुमानित खर्च 1.35 लाख करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

यह राशि 2019 के चुनावों से दोगुने से भी अधिक है। तब आम चुनावों में करीब 60,000 करोड़ खर्च हुए थे। सीएमएस 35 वर्षों से चुनाव खर्च पर नजर रख रहा है। संस्थान के अध्यक्ष एन भास्कर राव ने कहा कि इस व्यापक खर्च में राजनीतिक दलों और संगठनों, उम्मीदवारों, सरकार और चुनाव आयोग सहित चुनावों से संबंधित प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सभी खर्च शामिल हैं।

1.35 लाख करोड़ रुपए का अनुमान लगाया

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने की रेस में हैं। राव ने कहा कि उन्होंने प्रारंभिक व्यय अनुमान को 1.2 लाख करोड़ से संशोधित कर 1.35 लाख करोड़ रुपए कर दिया है, जिसमें चुनावी बांड के खुलासे और सभी चुनाव-संबंधित खर्चों का हिसाब शामिल है। हालांकि, चुनावी बांड हिस्सेदारी के खुलासे के बाद हमने इस आंकड़े को संशोधित कर 1.35 लाख करोड़ कर दिया है।

खर्च में रैलियां व परिवहन व्यय भी शामिल

एडीआर ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए कोई संचयी व्यय अनुमान प्रदान करने से परहेज किया है। राव ने कहा कि चुनाव पूर्व गतिविधियां पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार खर्च का अभिन्न अंग हैं, जिसमें राजनीतिक रैलियां, परिवहन, क्षेत्र और प्रभावशाली लोगों सहित कार्यकर्ताओं की नियुक्ति भी शामिल है।

60 प्रतिशत चुनाव फंड अज्ञात स्रोत से आए

बताया गया कि यह अनुमान मतदान की तारीखों की घोषणा से 3-4 महीने पहले हुए खर्च को कवर करता है। राव ने इस बात पर जोर दिया कि चुनावी बांड से परे विभिन्न माध्यमों से इस प्रक्रिया में पैसा आया। सोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की हालिया टिप्पणियों से भारत में राजनीतिक फंडिंग में "पारदर्शिता की महत्वपूर्ण कमी" का पता चला है। इसमें दावा किया गया है कि 2004-05 से 2022-23 तक, देश के6 प्रमुख राजनीतिक दलों को लगभग 60 प्रतिशत योगदान, कुल 19,083 करोड़ रुपए अज्ञात स्रोतों से आया, जिसमें चुनावी बांड से प्राप्त धन भी शामिल था।

आईपीएल 2024 : पंजाब किंग्स पर जीत के इरादे से उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स को हराकर अपनी जीत की लय बनाये रखने उतरेगी। केकेआर 10 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है और जीत की प्रबल दावेदार है। उसके इस सत्र में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम अब तक बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायी है। केकेआर की अब तक की सफलता में उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों की अहम भूमिका रही है हालांकि उसके तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब तक इस टूर्नामेंट में और ऐसे में केकेआर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। स्टार्क के पास इसलिए भी अच्छा अवसर है क्योंकि पंजाब किंग्स के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। कप्तान शिखर धवन के अलावा निचले क्रम पर शशांक सिंह और आशुतोष ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है। पंजाब की टीम के 4 अंक हैं और वह प्लेआफ की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। धवन का खेलना इस मैच में उनकी फिटने पर आधारित रहेगा। धवन पिछले दिनों कंधे में चोट लगने के कारण बाहर हो गये थे हालांकि अभ्यास सत्र में वह शामिल हुए जिससे उनके खेलने की उम्मीद हैं।

केकेआर की बल्लेबाजी सलामी बल्लेबाज सुनील नारायण, फिल साल्ट के अलावा आंद्रे रसेल और कप्तान श्रेयस अय्यर पर आधारित रहेगी। इसके अलावा उसके पास रिंकू सिंह जैसा आक्रामक बल्लेबाज भी निचले क्रम पर है। अभी तक टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं जिससे टीम बड़े स्कोर बनाने में सफल रही है। उसने अधिकतर मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वेंकटेश अय्यर अब तक अधिक रन नहीं बना पाये है, ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। टीम को इस मैच में नीतिश राणा की कमी खलेगी। नीतिश अच्छे बल्लेबाज होने के साथ ही स्पिनर भी हैं। .

केकेआर की गेंदबाजी अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रही है जिसमें वह लय हासिल करने का प्रयास करेगी। अब तक केवल सुनील नरेन ही कुछ हद तक प्रभावित कर पाये हैं।

उनका इकॉनॉमी रेट 7 के करीब रहा है हालांकि पिछले मैच में वह बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे। अब पंजाब की उम्मीदों धवन के अलावा शशांक और आशुतोष पर रहेंगी।

पंजाब को इस मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे केकेआर की कमजोर गेंदबाजी का लाभ उठाकर आक्रमक बल्लेबाजी करनी होगी। उसके पास शीर्षक्रम में प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, रिली रोसोयू और जॉनी बेयरस्टो जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं जिनका बल्ला अब तक खामोश रहा है। इन इनके पास इस मैच में रन बनाकर फार्म हासिल करने का अवसर है।

टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान।

पंजाब किंग्स-शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसोयू।

उसेन बोल्ट बने टी20 विश्व कप के ब्रॉन्ड एंबेसडर, बोले- चाहूंगा विंडीज जीते

मुंबई (एजेंसी)। दुबई - अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान धावक उसेन बोल्ट को एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले आगामी टी20 विश्व कप का ब्रांड दूत नियुक्त किया। जमैका में जन्में बोल्ट ने 2008 में बीजिंग में हुए ओलंपिक खेलों में इतिहास रचा था, जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड समय में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर दौड़ जीती थी। बोल्ट के नाम वर्तमान में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर में क्रमशः 9.58 सेकंड, 19.19 सेकंड और 36.84 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड हैं। बोल्ट विश्व कप के अपने देश आने और अपनी नयी भूमिका को लेकर उत्साहित है।

आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में बोल्ट ने कहा कि मैं आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का दूत बनकर रोमांचित हूं। कैरेबियाई देशों क्रिकेट जीवन का एक हिस्सा है, इस खेल के लिए हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रहा है। बोल्ट ने कहा कि क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार ढूंढना बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा कि मैं विश्व कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस खेल को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खेल बाजार है। उन्होंने कहा कि टी20 विश्व कप के लिए हम जो ऊर्जा लाएंगे वह 2028 में एलए ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका बनाएगा।

आईपीएल अंक तालिका में एक स्थान ऊपर आयी दिल्ली कैपिटल्स

–ऋषभ पंत ऑरेंज कैप के दावेदारों में तीसरे नंबर पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली जीत के साथ ही एक साथ का लाभ हुआ है और वह छठे स्थान पर आ गयी है। वहीं गुजरात की टीम सातवें नंबर पर खिसक गयी है। दिल्ली कैपिटल्स के अब 9 मैचों में आठ अंक हैं पर -0.386 के बेहतर नेट रन रेट के कारण वह रैंकिंग में गुजरात से ऊपर आ गयी है। गुजरात की टीम अंक तालिका में नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही छठे से खिसककर सातवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं अंक तालिका में अभी राजस्थान रॉयल्स 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है जबकि 10-10 अंक लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाइंट्स दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर है। चेन्नई के 8 मैचों में 8 अंक हैं जिस कारण वह पांचवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस 6 अंक लेकर आठवें, पंजाब किंग्स 4 अंक लेकर नौवें और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2 अंक लेकर 10वें स्थान पर है। ऑरेंज कैप के दावेदारों में आरसीबी के विराट कोहली सबसे ज्यादा रन बनाकर सबसे बड़े दावेदार बने हुए हैं। विराट के 379 रन हैं, दूसरे नंबर पर सीएसके के रुतुराज गायकवाड़ हैं उनके 349 रन हैं जबकि गुजरा के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर 88 रन बनाने के साथ ही दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत कुल 342 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर आ गये हैं। पर्पल कैप की सूची में मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह 13 विकेट लेकर पहले जबकि राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल 13 विकेट लेकर दूसरे नंबर हैं। पंजाब किंग्स के हर्षल पटेल भी 13 विकेट, तीसरे नंबर पर हैं। औसत और इकोनॉमी में बेहतर होने के कारण बुमराह और चहल को पहला और दूसरा स्थान मिला है।

राहुल बनाम सैमसन, आवेश बनाम बिश्नोई या अक्षर, जल्द होगी टी20 विश्व कप टीम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान इस महीने के आखिर में किया जा सकता है लेकिन मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या का खराब फॉर्म चिंता का सबब बना हुआ है जबकि दूसरे विकेटकीपर की जगह के लिए संजू सैमसन से केएल राहुल आगे चल रहे हैं।

अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप के लिए टीम चुनते समय दुविधा अतिरिक्त गेंदबाज की भी होगी। यह देखना होगा कि तेज गेंदबाज आवेश खान को चुना जाता है या वेस्टइंडीज की धीमी पिचों को देखते हुए लेग स्पिनर रवि बिश्नोई या हरफनमौला अक्षर पटेल को। समझा जाता है कि कप्तान रोहित शर्मा चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर से मुलाकात कर सकते हैं।

आईसीसी ने टीम चुनने के लिए एक मई की समय सीमा दी है। बीसीसीआई इस सप्ताह के आखिर में या अगले सप्ताह की शुरूआत में टीम का ऐलान कर सकता है। पांड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए आठ मैचों में 17 ओवर डाले हैं। अभी तक इस आईपीएल में वह सात छक्के ही लगा सके हैं। उनके बल्ले से 150 रन ही निकले हैं और उनका स्ट्राइक रेट 142 रहा है। वैसे पांड्या के अलावा कोई विकल्प भी नजर नहीं आता क्योंकि शिवम दुबे भी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं।

कौशल और रफ्तार के मामले में गेंदबाजी में दुबे कहीं भी पांड्या के समकक्ष नहीं हैं लेकिन बल्लेबाजी में वह शानदार फॉर्म में है जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। आईपीएल में 161 की स्ट्राइक रेट से 342 रन बना चुके विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपनी जगह पक्की कर ली है। दूसरे विकेटकीपर के लिए केएल राहुल (141 स्ट्राइक रेट से 302 रन) और संजू सैमसन (152 स्ट्राइक रेट से 314 रन) के बीच मुकाबला है। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव की जगह लगभग पक्की है। वैसे बुमराह और कुलदीप को छोड़कर बाकी गेंदबाज आईपीएल में फॉर्म में नहीं है लिहाजा अतिरिक्त गेंदबाज का विकल्प अहम होगा। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज आवेश, दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अक्षर और लखनऊ सुपर जाइंट्स के लेग स्पिनर बिश्नोई के बीच मुकाबला है। आवेश ने करीब 9 की इकॉनॉमी रेट से आठ विकेट लिए हैं जबकि बिश्नोई ने 9 के भीतर की इकॉनॉमी रेट से पांच विकेट चटकाए हैं। अक्षर ने सात विकेट लिए हैं और उनकी इकॉनॉमी रेट सात के आसपास रही है। वह बल्लेबाजी में भी 132 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं।

टी20 विश्वकप से पहले भारत–पाकिस्तान मुकाबलों वाला प्रोमो जारी

मुम्बई। क्रिकेट प्रशंसकों को जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप में भारत–पाकिस्तान मुकाबले का ब्रेसब्री से इंतजार है। इसी को लेकर अब टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने एक प्रोमो वीडियो जारी किया है। टी20 विश्वकप 2 जून से शुरू होगा। इस प्रोमो वीडियो से प्रशंसक उत्साहित हैं। इसमें पिछले दो दशकों में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए अलग–अलग मैचों के अहम पलों को शामिल किया गया है। इस प्रोमो में टी20 विश्व कप के इतिहास की कई कई यादें दिखाई जा रही हैं। इस प्रोमो की शुरुआत में महेंद्र सिंह धोनी दिखाई दे रहे हैं, जो टी20 विश्व कप 2007 के समय भारतीय टीम के कप्तान थे। इसमें मिस्बाह उल हक का अंतिम स्कूप शॉट दिखाया गया है। मिस्बाह के इसी शॉट पर उछले कैच को श्रीसंत ने पकड़ा था जिससे भारत ने 2007 टी20 विश्वकप जीता था। इसके बाद पाकिस्तान के शाहीद अफरीदी और विराट कोहली नजर आते हैं। प्रोमो में रोहित , विराट को अपने कंधो पर उठाते हुए नजर आते हैं। ये तस्वीर 2022 टी20 विश्व कप की है जब विराट ने अपनी आक्रामक पारी से भारत को जीत दिलाई थी। इस मैच में विराट ने हारिस राउफ पर लगातार 2 जबरदस्त छक्के लगाए थे और मैच भारत की ओर ओर मोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने मोहम्मद नवाज के अंतिम ओवर में चौके–छक्के लगाकर भारत को जीत दिलाई थी। प्रोमो में इसके बाद टी20 विश्व कप का लोगो और शुरु होने की तारीख नजर आ रही है।

सहवाग बोले, धोनी को टी–20 विश्वकप के लिए शामिल किया जाना चाहिये

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को आगामी टी20 विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखा जाना चाहिये जबकि धोनी को संन्यास लिए काफी समय हो गया है। वह अभी केवल आईपीएल खेल रहे हैं। धोनी स्वयं भी संन्यास से वापसी किसी कीमत पर नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने हाल ही मैं संकेत दिये थे कि अगर उनका शरीर साथ देगा तभी वह अगले सत्र में खेलेंगे। वहीं सहवाग का कहना है कि आगामी टी–20 विश्वकप में धोनी को शामिल किया जाना चाहिये। टी–20 विश्वकप एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय टीम की घोषणा कुछ ही समय में होगी। सहवाग ने एक शो पर विकेटकीपर के तौर धोनी को लेकर जाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, आईपीएल में इस बार धोनी का 255 का स्ट्राइक रेट है और औसत है ही नहीं, क्योंकि वह आउट ही नहीं हुए हैं। 34 गेंदों में अब तक धोनी ने 87 रन बनाए हैं। इसके अलावा उनकी फिटनेस भी अभी काफी अच्छी है। सहवाग ने साथ ही कहा, टी–20 विश्वकप में कीपिंग के साथ ही धोनी अनुभवी होने के कारण अंतिम ओवरों में एक बेहतर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। अभी भी वह आईपीएल में विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी कर रहे । गौरतलब है कि आईपीएल में अब तक धोनी ने अपनी बल्लेबाजी से प्रशंसकों का अच्छामनोरंजन किया है। धोनी ने अंतिम ओवरों में आकर अपनी तूफानी बल्लेबाजी से टीम को जीत दिलायी है। लखनऊ के खिलाफ मैच में धोनी ने केवल 9 गेंदों पर 28 रन बना दिये थे।

टी20 विश्व कप में भी खेलना चाहते हैं स्टोइनिस

चेन्नई (एजेंसी)। ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि वह केन्द्रीय अनुबंध नहीं मिलने बाद भी ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से खेलना चाहते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस ऑलराउंडर को 2024-25 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल नहीं किया है। माना जा रहा है कि इसका कारण उनकी बढ़ती उम्र है। स्टोइनिस अभी 34 साल के हैं। ये ऑलराडर आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से उत्साहित है और आगे भी ऑस्ट्रेलिया से खेलना चाहता है। स्टोइनिस ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए सीएसके के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपने को साबित किया है।अब उनका लक्ष्य आगामी टी20 विश्व कप के साथ ही आगे भी खेलना है।

वहीं गत माह सीए ने जो अनुबंध सूची जारी की थी उसमें स्टोइनिस को 23 सदस्यीय खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया था। स्टोइनिस हालांकि सीए अनुबंध से बाहर किये जाने को अधिक महत्व नहीं देते हैं।

इस क्रिकेटर ने कहा, 'मेरे ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्र्यू मैकडोनल्ड के साथ अच्छे रिश्ते हैं। इस कारण से मुझे पहले से ही अनुबंध नहीं मिलने की बात पता थी। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए ही मुझे बाहर किया गया। इसमें कोई गलती भी नहीं है। अनुबंध सूची में मेरी जगह देने से ज्यादा असर नहीं पड़ता। वह राष्ट्रीय टीम के साथ अब अपने करियर में कोई बदलाव नहीं चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'लेकिन जहां तक खेलने की बात है तो निश्चित रूप से मैं ये पक्का करना चाहता हूं कि मैं राष्ट्रीय टीम में रहूं और इसलिए ही यह टूर्नामेंट हमारे लिए और विशेषकर मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है इसलिए मैं इसे इतना पसंद करता हूं।

स्टोइनिस को जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया गया पर इसके बाद भी वह टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में खेलना चाहते हैं। स्टोइनिस को टी20 विश्व कप के दौरान आस्ट्रेलियाई टीम में पांचवें स्थान पर रखे जाने की संभावना है। स्टोइनिस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलियाई चयन के लिए योग्य होंगे क्योंकि उनका 2023-24 सत्र के लिए अनुबंध 30 जून तक है।

बीसीसीसी ने दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज रसिख को लगायी फटकार

मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज रसिख सलाम दर को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में विकेट लेने के बाद आक्रामक जश्न मनाना भारी पड़ा है। इसके कारण बीसीसीआई ने उन्हें कड़ी फटकार लगायी है। बीसीसीआई ने रसिख को आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.5 के लेवल एक के अपराध का दोषी पाया है। ये ऐसी भाषा के इस्तेमाल या हरकत या भाव भंगिमा से संबंधित है जिससे दूसरे खिलाड़ी को उकसाया जा सकता है। गुजरात के खिलाफ मैच में एक विकेट लेने के बाद रसिख ने आक्रामक जश्न मनाया था। रसिख ने इस मैच में चार ओवर में 44 रन देकर तीन विकेट लिए थे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली ने आखिरी ओवर तक चले मुकाबले में 4 रन से जीत हासिल की। दिल्ली ने पहले खेलते हुए अक्षर पटेल के 66 तो कप्तान ऋषभ पंत के 88 रनों की बदौलत 224 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने 220 रन बनाये।

पाक को झटका , टी20 सिरीज से बाहर हुए रिजवान और नियाजी

कराची। पाकिस्तान को करारा झटका लगा है। उसके विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और इरफान खान चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टी–20 सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर हो गये हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ये बात कही है। पीसीबी के अनुसार जांच में रिजवान और इरफान की चोट गंभीर पायी गयी है। इसी के बाद दोनो को बाहर करने पर फैसला हुआ। रिजवान को तीसरे टी–20 मैच में बल्लेबाजी करते समय मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। पीसीबी के अनुसार अब उसे 10 दिन तक मैदान के बाहर रहना होगा। वहीं नियाजी की भी मांसपेशियों में खिंचाव है। इन दोनो के बाहर होने से टीम की परेशानी बढ़ गयी है क्योंकि आजम खान पहले ही चोटिल होने के कारण बाहर हैं। इसी कारण युवा खिलाड़ी हसीबुल्लाह को बुलाया गया है पर अन्य किसी बदलाव की घोषणा नहीं की गई है। इस सीरीज में अभी दोनो ही टीमें एक–एक मैच में जीत के साथ ही बराबरी पर हैं।

ऋषभ ने कैमरामैन से माफी मांग , छक्के से हुआ था घायल

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। ऋषभ की नाबाद 88 रन की पारी से दिल्ली ने 4 विकेट पर 224 रन बनाए। ऋषभ ने अपनी पारी के दौरान जमकर 5 चौके और 8 छक्के लगाये। उनका एक छक्का मैच कवर कर रहे कैमरामैन को लग गया। इसका पता चलते ही ऋषभ मैच समाप्त होने के बाद कैमरामैन के पास पहुंचे और माफी मांगी। ऋषभ के इस कार्य की सभी प्रशंसकों ने सराहना की है।

ऋषभ ने अपनी पारी के दौरान अक्षर पटेल के साथ मिलकर 113 रनों की अहम साझेदारी भी निभाई। इस साझेदारी के बल पर ही दिल्ली की टीम मुकाबला जीतने में सफल रही। अक्षर ने इस मैच में 66 रनों की तेज पारी खेलकर कैपिटल्स को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने भी अच्छा प्रयास किया। गुजरात की ओर से डेविड मिलर ने तेजी से 55 रन बनाये। वहीं अंतिम ओवरों में राशिद खान ने भी आक्रामक पारी खेली पर इसके बाद भी गुजरात को 4 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच का आकर्षण ऋषभ की पारी रही। ऋषभ ने कप्तानी पारी खेलते हुए इस सत्र में अपना तीसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने मोहित शर्मा के एक ही ओवर में 31 रन बना दिये। इसमें 5 गेंदों पर चौके, छक्के लगाये। इसी दौरान उनका एक शॉट कैमरामैन को लग गया जिससे वह चोटिल हो गया।

वह अभी अपनी टीम की और से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। ऋषभ ने इस सतत्र में कैपिटल्स की ओर से अब तक 9 पारियों में 161.32 के शानदार स्ट्राइक रेट के साथ 342 रन बनाए हैं। गुजरात के खिलाफ 43 गेंदों में 5 चौके और 8 छक्के के दम पर खेली गई नाबाद 88 रनों की पारी भी इसमें शामिल है।

'इम्पैक्ट' प्लेयर नियम से हो रहा खेल को नुकसान : एडम

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल को रोमांच बनाये रखने के लिए 'इम्पैक्ट' प्लेयर का जो नियम लाया गया है। उससे कई दिग्गज सहमत नहीं है। उनका कहना है कि ये खेल के लिए नुकसानदेह है। वहीं अब लखनऊ सुपर जायंट्स के सलाहकार ऑस्ट्रेलिया के एडम वोग्स ने कहा है कि इस नियम पर दोबारा विचार किया जाना चाहिये। उनके अनुसार इसकी जगह पर ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग का 'पावर सर्ज' होना चाहिये। इसमें बल्लेबाजी टीम को फील्डिंग पांबदियों के दो ओवर के चरण पर फैसले की अनुमति होती है।

'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम पिछले सत्र में शामिल किया गया था और इस सत्र में इसपर कई खिलाड़ियों ने सवाल उठाये हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी ऐसे खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनका कहना है कि ये नियम ऑलराउंडरों के लिए नुकसानदेह है। वोग्स भी रोहित से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम क्रिकेट को रोमांचक तो बना रहा है पर इससे ऑलराउंडर खिलाड़ियों को नुकसान हुआ है। साथ ही कहा, ''इस नियम के कारण् टूर्नामेंट में काफी बड़े स्कोर बन रहे हैं और टीम के लिए मजबूत बल्लेबाज सातवें या आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से इससे क्रिकेट के रोमांच का स्तर बढ़ गया है पर इससे मैच में ऑल राउंडर की भूमिका और उनका प्रभाव थोड़ा कम हो जाता है जबकि ऑलराउंडर हमेशा ही टीम को संतुलन प्रदान करते हैं।'' वहीं ऑस्ट्रेलिया के 'पावर सर्ज' के नियम को लेकर वोग्स ने कहा कि इससे मुकाबला दिलचस्प हो जाता है और उन्हें यह नियम पसंद आता है।

आईपीएल में जहां पारी की शुरूआत में छह ओवर का पावरप्ले होता है, वहीं बीबीएल में चार ओवर का पावरप्ले होता है। इसमें 'पावर सर्ज' सर्कल के बाहर केवल दो क्षेत्ररक्षकों का दो ओवर का चरण होता है जिसे बल्लेबाजी टीम अपनी पारी के 11वें ओवर के बाद किसी भी समय मांगती है।

पाकिस्तान की पूर्व कप्तान बिस्माह मारूफ ने संन्यास की घोषणा की

इस्लामाबाद - पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी बिस्माह मारूफ ने गुरुवार को तत्काल प्रभाव से क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद मारूफ ने 276 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया जिसमें उन्होंने 6,262 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए जिसमें 33 अर्धशतक और 80 विकेट शामिल हैं। 136 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 29.55 की औसत से 3,369 रन बनाए हैं जिसमें 21 अर्द्धशतक शामिल हैं और 44 विकेट लिए हैं। 140 टी20आई में उन्होंने 27.55 की औसत से 2,893 रन बनाए हैं जिसमें 12 अर्द्धशतक शामिल हैं और 36 विकेट लिए हैं। कप्तान के रूप में मारूफ ने 96 मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व किया जिसमें 2020 और 2023 में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के साथ–साथ 2022 में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप भी शामिल है। मारूफ ने आईसीसी के हवाले से अपने बयान में कहा, 'मैंने उस खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। यह चुनौतियों, जीत और अविस्मरणीय यादों से भरी एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। मैं अपने परिवार के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती हूं जिन्होंने शुरुआत से लेकर अब तक मेरी क्रिकेट यात्रा में मेरा समर्थन किया है। मैं मुझ पर विश्वास करने और मेरी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। पीसीबी का समर्थन अमूल्य रहा है, खासकर मेरे लिए पहली अभिभावक नीति को लागू करने में, जिसने मुझे सक्षम बनाया।'

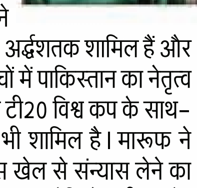

मिस्र, नीदरलैंड ने किया गाजा संघर्ष खत्म करने और दो-राज्य समाधान लागू करने पर जोर

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने नीदरलैंड के प्रधान मंत्री मार्क रुटे के साथ गाजा में हमास-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को लेकर फोन पर चर्चा की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने और दो-राज्य समाधान को लागू करने की जरुरत पर बल दिया। मिस्र के राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा, श्री सिसी और श्री रुटे ने संघर्ष विराम तक पहुंचने की दिशा में काम करने और गाजा के सभी इलाकों में भरपूर मात्रा में मानवीय मदद पहुंचने को सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की, ताकि इस युद्ध के चलते गाजा पट्टी में होने वाली गंभीर मानवीय तबाही से बचाया जा सके। बयान में कहा गया कि उन्होंने यहां स्थिति बहाल करने और इलाके में सुरक्षा और शांति कायम करने में योगदान देने के लिए दो-राज्य समाधान के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने की जरुरत पर भी जोर दिया। इस दौरान मिस्र के राष्ट्रपति ने फिलिस्तीनी शहर राफा में किसी भी इजरायली सैन्य अभियान के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन के गाजा पट्टी में मानवीय स्थिति और क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर विनाशकारी परिणाम होंगे।

आईएस के 11 आतंकवादियों को ईराक ने दी फांसी

बगदाद। इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह का सदस्य होने के आरोप में इराकी अधिकारियों ने 11 दोषियों को फांसी दी है। इस बात की जानकारी सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने बुधवार को दी है। जानकारी देने वाले जेल अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि इराकी राजधानी बगदाद से लगभग 350 किलोमीटर दक्षिण में नासिरिया शहर में नासिरियाह सेंट्रल जेल में मंगलवार को आतंकी होने के बिनय पर 11 लोगों को फांसी दी है। सूत्रों की मानें तो इराकी न्याय मंत्रालय की एक टीम ने इराकी राष्ट्रपति की इजाजत के बाद ही सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा कर मौत की सजा को क्रियांवित किया है। यहां बतलाते चलें कि वर्ष 2017 के आखिर में इराकी बलों द्वारा इराक में आईएस को हराने के बाद सैकड़ों आईएस समर्थक या तो मार दिए गए थे पकड़े गए थे, जबकि अनेक अन्य इराक या विदेश में बड़े पैमाने पर अभी भी छिपे हुए हैं। खास बात यह है कि इराक में मृत्युदंड की सजा को 10 जून 2003 में निलंबित कर दिया गया था, लेकिन हालात और सुरक्षा की दृष्टि से इसे अगस्त 2004 में फिर बहाल कर दिया गया है। अब खबर यह है कि ईराक में 11 आतंकवादियों को जो कि आईएस के बताए गए हैं को फांसी दे दी गई है। इसकी विस्तृत जानकारी सरकारी एजेंसी द्वारा फिलहाल नहीं दी गई है।

हमास 5 साल के सीजफायर को तैयार

गाजा। गाजा में जंग के 6 महीने बाद हमास के एक सीनियर अधिकारी ने 5 साल के सीजफायर की इच्छा जाहिर की है। खलील अल-हैय्या ने कहा है कि अगर फिलिस्तीन एक अलग और आजाद देश बनता है तो हम हथियार डाल देंगे और एक साधारण राजनीतिक पार्टी के तौर पर काम करेंगे। हालांकि, 7 अक्टूबर के हमले के बाद हमास का खात्मा करने की कसम खा चुका इजराइल इस समझौते के लिए सहमत हो इसकी संभावना न के बराबर है। अल-हैय्या का कहना है कि अगर फिलिस्तीन को 1967 की जंग से पहले के इलाके दिए जाते हैं तो वो इजराइल के खिलाफ युद्ध नहीं लड़ेगा।

बांग्लादेश में इंडिया आउट कैंपेन फेल

ढाका । बांग्लादेश में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने आम चुनावों का बहिष्कार किया था। इसके बाद बीएनपी ने नए मुद्दे को हवा देने की कोशिश करते हुए भारत के खिलाफ इंडिया आऊट कैंपेन शुरू किया था। जनवरी के बाद बीएनपी के बड़े नेताओं ने बांग्लादेश में विपक्ष की नाकामी के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया। बीएनपी के महासचिव राहुल कबीर रिजवी ने अपनी भारतीय शॉल को जमीन पर फेंक दिया और आग लगा दी, सीधे तौर पर इंडिया आउट आंदोलन के साथ एकजुटता व्यक्त की। इसके बाद बीएनपी और उसकी समान विचारधारा वाली पार्टियों ने इस आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर बहुत प्रचार किया, लेकिन विरोध जमीन पर उतर नहीं पाया।

इजराइल के साथ संघर्ष विराम को तैयार हमास.....लेकिन ये शर्त

तेलअवीव । गाजा में युद्ध के बीच हमास के नेता खलील अल हाया ने कहा है कि उनका संगठन इजरायल के साथ 5 साल के लिए संघर्ष विराम को तैयार है। साथ ही हमास के लड़ाके हथियार भी त्याग देने वाले है। हालांकि इसके लिए अल हाया की शर्त है कि एक स्वतंत्र फलस्तीनी देश का गठन हो और उसकी सीमा साल 1967 के पहले की हो। हाया गाजा में हमास के डेप्युटी चेयरमैन हैं। उन्होंने फिर से अपनी मांग दोहराकर कहा कि इजराइल के बंधकों को छोड़ने की डील में स्थायी संघर्ष विराम को शामिल करे। हमास नेता का यह बयान उस समय पर आया है, जब इजरायल राफा में भी जोरदार कार्रवाई करने जा रहा है, जो मिस्र की सीमा पर हमास का आखिरी बड़ा गढ़ है। अल हाया ने कहा कि हमास वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में एक पूरी तरह से संप्रभु फिलिस्तीनी देश का इच्छुक है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय निर्णयों के मुताबिक फिलिस्तीनी शरणार्थियों की वापसी भी हो। इससे पहले एक वरिष्ठ हमास नेता ने दावा किया था कि उनके नेता याह्या सिन्वार हाल ही में कई बार सुरंग से बाहर आए थे और उस इलाके में गाजा के लोगों से मुलाकात की। सिन्वार को भी हकीकत का अंजादा है। इजराइली खुफिया एजेंसियां सिन्वार को रोक नहीं पा रही हैं।

भारत के पड़ोसी देश में तैनात होगी ड्रैगन की आर्मी

बीजिंग । चीन अपनी सेना की एक टुकड़ी को बांग्लादेश में तैनात करने जा रहा है। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने इसकी जानकारी दी है। कियान ने बताया कि बांग्लादेश की सेना के साथ संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की एक टुकड़ी को मई की शुरुआत में बांग्लादेश में तैनात किया जाएगा। चीन और बांग्लादेश की सेनाओं के बीच ये पहली ज्वाइंट मिलिट्री ट्रेनिंग है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया, प्रशिक्षण का मकसद चीन और बांग्लादेश के बीच आपसी समझ, दोस्ती को मजबूत करना और दोनों पक्षों के बीच व्यावहारिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ाना है। कियान ने कहा कि यह प्रशिक्षण संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के संदर्भ में तैयार किया गया है। इसमें एक मिश्रित प्रशिक्षण मॉडल शामिल होगा। बांग्लादेश में चीनी सेना की पहुंच बीजिंग की उस विस्तृत योजना का हिस्सा मालूम पड़ती है, जिसके तहत वह अपनी सैन्य मौजूदगी को वैश्विक स्तर पर बढ़ाना चाहता है।

सिर से पांव तक बुर्के में दिखी ईरानी राष्ट्रपति की पत्नी

इस्लामाबाद। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को पाकिस्तान के तीन दिन के दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचे थे। रईसी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ जरदारी सहित पाक के तमाम बड़े नेताओं से बात की। पाकिस्तान में रईसी के साथ उनकी पत्नी जमीला अलम अलहुदा की भी चर्चा है, जो पति के साथ इस्लामाबाद पहुंचीं। ईरानी राष्ट्रपति की पत्नी ने कहा कि पाकिस्तान के बारे में उनकी धारणा पहले से ही सकारात्मक थी। गाजा पट्टी में जारी जंग पर अलहुदा ने कहा कि इजरायल फिलिस्तीनियों का नरसंहार कर रहा है।

केन्या में भारी बारिश के बीच निकलती हुई एक वृद्ध महिला की सहायता करते हुए लोग।

5000 भारतीयों को रवांडा भेजेगी, ब्रिटेन सरकार

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने 5000 अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को,अफ्रीका के देश रवांडा भेजने का फैसला किया है। 5000 भारतीय अवैध रूप से ब्रिटेन में रह रहे थे। उन्होंने शरणार्थी का दर्जा पाने के लिए आवेदन किया था। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इसे ना मंजूर कर दिया है। 1 जनवरी 2022 के बाद से अवैध रूप से जो भी लोग ब्रिटेन पहुंचे हैं। ब्रिटेन सरकार द्वारा उन्हें शरणार्थी का दर्जा नहीं दिया जा रहा है। नाही ब्रिटेन सरकार उन्हें अपने देश में रखना चाहती है। ब्रिटेन में रह रहे यह 5253 भारतीयों मे 60 फीसदी से अधिक 18 से 29 साल के बीच के हैं।

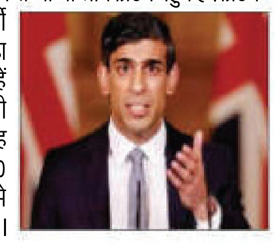

इंग्लिश चैनल को नावों के जरिए पार करके यह लोग ब्रिटेन पहुंचे थे। अवैध रूप से ब्रिटेन भेजने वाले एजेटों ने इन युवाओं से लाखों रुपए वसूल किए थे। भारत सरकार से कोई सहायता इन्हें नहीं मिली। इसके बाद ब्रिटेन सरकार ने 5000 से अधिक भारतीयों को रवांडा भेजने का फैसला किया है। ब्रिटेन सरकार रवांडा की सरकार को प्रति शरणार्थी 63 लाख रुपए अदा करेगी। ब्रिटेन में सभी देशों के जो शरणार्थी रह रहे थे। उसके लिए ब्रिटेन की सरकार ने 18900 करोड रुपए रवांडा की सरकार को दिए हैं। रवांडा 2009 में राष्ट्रमंडल में शामिल हो गया है। भारत सरकार ने अभी तक अपने नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए कोई पहल नहीं की है। जिसके कारण अब यह रवांडा में रहने के लिए मजबूर होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों की सलाह मानने से इजराइल का इंकार, राफा को ध्वस्त करने पर अमादा

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों ने इजराइल को सलाह दी है कि वह युद्ध से पीछे हट जाए। इसके बाद भी इजराइल ने गाजा के राफा शहर पर हमले की तैयारी पूरी कर ली है। इजराइल ने बुधवार को कहा कि वह राफा पर हमले की तैयारी में है और उसकी सेना आगे बढ़ रही है। उसके इस ऐलान से पड़ोसी देश मिस्र भी नाराज हो गया है। इजराइल यह हमला करेगा, इसकी कोई टाइमलाइन तय नहीं है, लेकिन हमला कभी भी हो सकता है।

अब इजराइल का कहना है कि हमास की 4 सशस्त्र यूनिटों ने राफा शहर में ठिकाना बना लिया है। ऐसे में उसे नेस्तनाबूद करने के लिए राफा पर जमीनी हमला करना जरूरी है। इस बार इजरायल यह सावधानी भी रख रहा है कि उस पर आम नागरिकों के कत्लेआम का आरोप न लगे। इसीलिए उसने हमले से पहले टेंट सिटी बसाने का प्लान बनाया है ताकि राफा से निकलने वालों को शरण दी जा सके। वहीं मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी ने इजरायल को चेतावनी दी है कि यदि उसने राफा पर हमला किया तो गंभीर परिणाम होगे।राफा शहर पर हमले को लेकर मिस्र इसलिए चिंतित है क्योंकि वह उसकी सीमा से सटा हुआ है। पहले ही गाजा पर हमला होने के बाद से बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी मिस्र चले गए हैं। ऐसे में अब राफा पर अटैक होने से और बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों के मिस्र में घुसने का डर है। राफा शहर की आबादी करीब 10 लाख की है। मिस्र के अलावा अमेरिका का भी कहना है कि इजरायल को यह ऑपरेशन नहीं करना चाहिए। बता दें कि इजरायल ने दक्षिणी गाजा से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। इसके बाद अब राफा पर हमले की तैयारी है।

इजरायली सेना के सूत्रों का कहना है कि करीब 40 हजार टेंट खरीदे गए हैं। हर टेंट में 10 से 12 लोग रह सकते हैं। इजरायल इस बार राफा पर हमला करने से पहले टेंट सिटी तैयार करेगा ताकि वहां से बाहर निकलने वाले फिलिस्तीनियों को वहां रखा जा सके। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू खुद कई बार दोहरा चुके हैं कि राफा पर हमला किया जाएगा। गाजा का यही एक ऐसा शहर है, जिसमें अब तक इजरायली सेना नहीं घुसी थी। हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया था। उसके बाद से ही इजरायल हमलावर है और खान यूनिस समेत गाजा के कई शहरों को तबाह कर दिया है। इजरायल के हमलों में अब तक 35 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों पर रोक लगाने के प्रस्ताव पर रुस ने किया वीटो

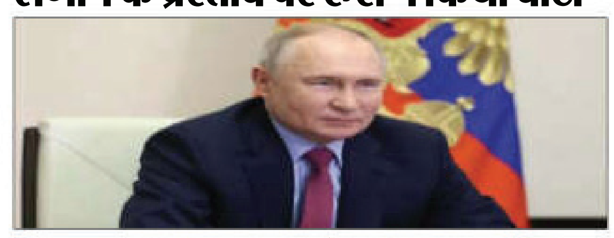

-कहा-प्रस्ताव अंतरिक्ष में सभी प्रकार के हथियारों को बैन करने में सक्षम नहीं

जेनेवा, (एजेंसी)। अंतरिक्ष में खतरनाक परमाणु हथियारों को तैनात करने की होड़ को रोक लगाने के लिए पंद्रह सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जबकि रूस ने इसका विरोध किया और चीन इस मामले पर नदारद रहा। रूस ने प्रस्ताव को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए इसे खारिज कर दिया। रुस ने कहा कि यह प्रस्ताव अंतरिक्ष में सभी प्रकार के हथियारों को बैन करने में सक्षम नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के इस प्रस्ताव में सभी देशों से अंतरिक्ष में परमाणु हथियार या फिर ऐसे किसी भी हथियार को तैनात नहीं करने का आह्वान किया गया है, जो मानवजाति के लिए भारी तबाही का कारण बनेंगे। अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती 1967 के अंतरराष्ट्रीय संधि के अंतर्गत प्रतिबंधित है।

अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने इस प्रस्ताव के मतदान के बाद कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि मॉस्को की अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों को तैनात करने की मंशा बिल्कुल भी नहीं है लेकिन रूस द्वारा इस प्रस्ताव पर वीटो किया जाना यह संकेत देता है कि रुस सरकार कुछ न कुछ छिपा रही है।

बता दे कि व्हाइट हाउस ने फरवरी में इस बात की पुष्टि की थी रूस ने उपग्रह रोधी हथियार क्षमता हासिल कर ली है हालांकि ऐसा कोई हथियार अभी तक प्रयोग में नहीं लाया गया है। 18 मार्च को थॉमस-ग्रीनफील्ड ने प्रस्ताव की घोषणा की थी। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने बाद में इस बात की घोषणा की थी कि मॉस्को का अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने का कोई इरादा नहीं है। पुतिन ने दावा किया कि रूस ने केवल अमेरिका के समान ही अंतरिक्ष क्षमताएं विकसित की हैं।

श्रीलंका भारत के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग बढ़ा रहा : रानिल विक्रमसिंघे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि द्वीप राष्ट्र भारत के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग में तेजी लाने पर योजना बना रहा है। इसमें पर्यटन क्षेत्र अहम रहेगा। भारतीय कंपनी आईटीसी होटल्स की पहली विदेशी संपत्ति आईटीसी रत्नादीपा के उद्घाटन समारोह में विक्रमसिंघे ने कहा कि एक उभरते हुए आर्थिक दिग्गज के रूप में भारत की स्थिति और एक रणनीतिक लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में श्रीलंका की स्थिति दोनों अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने में एक-दूसरे के पूरक होगी।

विक्रमसिंघे ने कहा, मुझे कोई संदेह नहीं है कि यह (आईटीसी रत्नादीपा) श्रीलंका में पर्यटन को बढ़ाने में मदद करेगा, खासकर भारत से... यह उस बयान के अनुरूप है जिस पर प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी और मैंने पिछले साल हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा, भारत अब उभरते आर्थिक दिग्गजों में से एक है और हम (श्रीलंका) लॉजिस्टिक्स के मामले में भारत के बाद एक महत्वपूर्ण स्थान पर हैं।''

पर्यटन क्षेत्र पर खासतौर पर विक्रमसिंघे ने कहा, '' मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई वर्षों तक, श्रीलंका छुट्टियां बिताने के लिए उपयुक्त स्थान रहेगा। आने वाले समय में बेंगलुरु, चेन्नई या हैदराबाद में किसी व्यक्ति के लिए विमान के द्वारा यहां आना भारत के उत्तरी हिस्से में जाने से अधिक आसान होगा। आईटीसी का नया होटल किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा श्रीलंकाई आतिथ्य क्षेत्र में सबसे बड़े निवेश (करीब 3,000 करोड़ रुपये) में से एक है।

दुबई में तबाही वाली बारिश के लिए क्लाउड सीडिंग नहीं जिम्मेदार: विशेषज्ञ

- दुबई में जिस तरह बेतहाशा बारिश हुई, उसे लाना इंसान के बस की बात नहीं

दुबई (एजेंसी)। बीते 16 अप्रैल को संयुक्त अरब अमीरात और उसके आस-पास के क्षेत्र में अभूतपूर्व बारिश ने हाहाकार मचा दिया था। अरब प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में उस दिन 24 घंटे में इतनी बारिश हुई ती, जितनी अमूमन 18 महीने में होती है। बारिश ने यूएई के सबसे स्मार्ट शहर दुबई की तस्वीर बिगाड़ कर रख दी थी। दुबई में हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा था। हालात ये हो गए थे कि दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकना पड़ा। हवाई अड्डा बंदरगाह की तरह हो गया था। कई ?विशेषज्ञ ने इस भारी बारिश के पीछे यूएई में होने वाली क्लाउड सीडिंग को जिम्मेदार ठहराया था लेकिन ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में जलवायु विज्ञान के प्रोफेसर रिचर्ड वाशिंगटन ऐसा नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि दुबई में जिस तरह बेतहाशा बारिश हुई है, उसे लाना इंसान के बस की बात नहीं है। भाषा से उन्होंने बताया ?कि चैट समूह में मौसम-विज्ञानी होने के नाते, मैंने उपग्रह और पूर्वानुमान मॉडल डेटा को देखा। मैंने जो देखा वह एक आदर्श तूफान के अवयव थे। अरब प्रायद्वीप जैसे पुराने रेगिस्तानों को आम तौर पर बहुत शुष्क बनाए रखने वाली चीज़ हवा का लगातार और तीव्र रूप से डूबना है, जो बारिश के लिए आवश्यक चीजों के बिल्कुल उलट है। गर्म महासागरों के निकट के रेगिस्तानों में, वाष्पीकरण प्रचुर मात्रा में होता है। लेकिन उस नमी को ऊपर डूबती हवा ने कैद कर रखा होता है। यह एक कड़ाही की तरह होता है जिसका ढक्कन मजबूती से लगा हुआ है। 16 अप्रैल को कड़ाही से जिस चीज ने ढक्कन हटाया वह असामान्य रूप से दूर दक्षिण में एक बहुत ऊंचाई वाली जेट स्ट्रीम थी। वास्तव में दो जेट स्ट्रीम, उपोष्णकटिबंधीय जेट और ध्रुवीय जेट, जो एकजुट हो गए थे और अपने पीछे आयातित, ठंडी हवा छोड़ गए थे। कड़ाही के ढक्कन के साथ-साथ डूबती हुई हवा भी खत्म हो गई थी। इस बीच उत्तरी उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर से नमी भरी हवा का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा था और रेगिस्तान में एकत्रित हो रहा था। संयुक्त अरब अमीरात में ओस बिंदु तापमान सामान्य रूप से कांगो बेसिन के वर्षावनों में पाए जाने वाले तापमान के समान था। इन परिस्थितियों में, तूफान बहुत तेजी से विकसित होते हैं। इन्फ्रारेड उपग्रह डेटा से पता चला कि इसका आकार फ्रांस के बराबर था।

अमेरिका ने छिपकर यूक्रेन को दीं लंबी दूरी की मिसाइलें

-1 महीने बाद खुलासा किया; रूस में 300 किमी अंदर तक कर सकती है हमला

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिका ने छिपकर यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें दी हैं। अमेरिका रक्षा विभाग पेंटागन ने बताया कि उसने यूक्रेन को एटीएसीएमएस की 12 मिसाइलें दी थीं। अमेरिका मीडिया के मुताबिक, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहले यूक्रेन को एटीएसीएमएस मिसाइल देने से मना कर दिया था। बाद में फरवरी के महीने में अमेरिकी राष्ट्रपति ने मिसाइल देने की मंजूरी दे दी। हालांकि, तब इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल गैरन गार्न ने बताया कि यूक्रेन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसकी जानकारी छिपाई गई।

मिसाइल देने के बाद इस डिलीवरी को 12 मार्च के सहायता पैकेज में शामिल कर दिया गया था। अप्रैल महीने की शुरुआत में एटीएसीएमएस मिसाइल यूक्रेन पहुंच गईं। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है, यानी अगर जंग में इसका इस्तेमाल होता है तो यह रूस में 300 किमी अंदर तक अटैक कर सकती है।

एक साल में 500 एटीएसीएमएस मिसाइल बन रहीं

मिसाइलें जितनी ताकतवर होती हैं, उन्हें बनाने में उतनी ही मेहनत और समय लगता है। एटीएसीएमएस को बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन एक साल में 500 मिसाइलों का प्रोडक्शन करती है। यूक्रेन को मिसाइल देने से पहले अमेरिका ने कंपनी से ज्यादा से ज्यादा मिसाइलें खरीदीं, ताकी अमेरिका के जखीरे में इनकी कमी न हो। दरअसल, अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक रूस ने इस साल की शुरुआत में उत्तर कोरिया से बैलिस्टिक मिसाइल खरीदी थी और मार्च में इससे यूक्रेन के रिहाइशी इलाकों पर हमला किया। इसके बाद ही बाइडेन ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइल देने पर सहमति जताई। पेंटागन ने बताया कि अमेरिका ने एटीएसीएमएस मिसाइल देते समय सभी नियमों का पालन किया है। वहीं बाइडेन ने बुधवार को यूक्रेन को 5 लाख करोड़ रुपए के सहायता पैकेज से जुड़े बिल पर साइन किया। पेंटागन के मुताबिक, इस पैकेज में भी यूक्रेन को एटीएसीएमएस मिसाइलें देने की बात कही गई है। इससे पहले अमेरिका ने पिछले साल नवंबर में यूक्रेन को कम दूरी वाली एटीएसीएमएस मिसाइल दी थी। इसकी रेंज 160 किमी थी।

तीसरे साल में रूस-यूक्रेन युद्ध

रूस और यूक्रेन का युद्ध अपने तीसरे साल में पहुंच गया है। यूक्रेन के हथियार और सैनिक दिन पर दिन कम होते जा रहे हैं। यूक्रेन-रूस जंग में अब तक 50 हजार से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हुई है। वहीं यूक्रेन ने जंग के दूसरे साल में 27 हजार 300 रूसी सैनिकों को गंवाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ा हो सकता है। इससे पहले फरवरी में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी यूक्रेनी सैनिकों की मौत का आंकड़ा बता

चुके हैं। जेलेंस्की के मुताबिक युद्ध में अब तक सिर्फ 31 हजार यूक्रेनी सैनिकों ने जान गंवाई है। हालांकि अमेरिकी खुफिया जानकारी के मुताबिक यूक्रेन के 70 हजार से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, पशुओं के लिए चारा लेने गया था, सड़क क्रॉस करते समय हादसा

धौलपुर

धौलपुर के सरमथुरा थाना क्षेत्र में बुधवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग 11 बी पर बड़ागांव के पास एक बुजुर्ग को कार ने टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने शव को अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवा दिया। थानाप्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि हाईवे पर बड़ागांव के पास कार ड्राइवर ने तेज गति में कार दौड़ते हुए सड़क पार कर रहे सैजाद (65) पुत्र खैराती निवासी वैदल पाड़ा सरमथुरा को टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने घायल को सरमथुरा अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मुस्लिम समाज अध्यक्ष भुट्टो खान ने बताया कि मृतक परिवार में अकेला था जो ड्राइवर और पशुपालन कर परिवार का भरण पोषण करता था। उन्होंने बताया कि मृतक पशुओं के लिए चारा लेने गया था। चारा काटने के बाद सड़क पार करते समय हादसा हो गया। हादसे को लेकर थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिजनों ने पुलिस थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

ड्राई-डे में शराब बिक्री करने पर सेल्समैन गिरफ्तार

बाड़मेर

बालोतरा जिले की डीएसटी और पचपदरा पुलिस टीम ने ड्राई-डे के दिन शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की है। इसमें एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं, 46 कार्टन अवैध शराब के जब्त किए है। शराब की कीमत 1.35 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि पचपदरा में आवंटित सरकारी दुकान की गोदाम में अवैध रूप से शराब का स्टॉक कर शराब बिक्री कर रहे है। इस पर बालोतरा डीएसटी व पचपदरा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दबिश दी। लोकसभा को मद्देनजर ड्राई-डे होने के बावजूद शराब की ब्रिकी की जा रही थी। इस पर पुलिस टीम ने अलग-अलग ब्रांड की शराब व बीयर के कार्टन जब्त किए। एक आरोपी राजुसिंह पुत्र महेशदान निवासी बेह चारणान पुलिस थाना ओसियां जिला जोधपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया है। पचपदरा थानाधिकारी अमराराम के मुताबिक ड्राई-डे के दिन से पहले रात में शराब ठेकों को सील करने के बाद पता चला कि पवन खारवाल के घर पर शराब ठेका संचालित होता है। ठेके के सेल्समैन की ओर से ठेके को सील करने से पूर्व शराब के कार्टन पीछे गोदाम में रख ली थी। जो बिक्री के लिए उपलब्ध करवा रहे है। गोदाम में दबिश दी गई तो वहां से 46 कार्टन शराब बरामद की गई है। सेल्समैन राजुसिंह को गिरफ्तार किया है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। कार्रवाई

वायु सेना का टोही विमान जैसलमेर में हुआ क्रैश, शहर से 30 किमी दूर जाजिया गांव के पास गिरा

जैसलमेर जैसलमेर से 30 किमी दूर भारतीय वायुसेना का एक टोही विमान क्रैश हो गया। हादसा गुरुवार सुबह 10 बजे के करीब पिथला-जाजिया गांव के पास भोजाणियों की ढाणी के पास हुआ। हालांकि हादसे में किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के साथ वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची। वायुसेना के अधिकारी क्रैश के कारणों की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यह यूएवी एयर क्राफ्ट है जो मानव रहित होता है और बॉर्डर एरिया पर हो रही गतिविधियों पर नजर रखने के काम आता है। यह बॉर्डर एरिया में लगातार घूमता है और निगरानी करता है। इससे पहले भी ये क्राफ्ट तकनीकी खामी के चलते क्रैश हो चुके हैं। यूएवी टोही विमान एक सैन्य विमान है। इसे इमेजरी इंटेलिजेंस, सिग्नल इंटेलिजेंस, साथ ही अन्य खुफिया जानकारियां जुटाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। 2 साल पहले 2024 जैसलमेर में भारतीय वायुसेना का टोही विमान शहर के पास स्थित कॉलोनी के पास सुनसान इलाके में क्रैश हो गया था। हालांकि प्लेन क्रैश से कोई हताहत नहीं हुआ। इस विमान का वजन लगभग 150 किलो था। बताया गया कि यूएवी लैंड कर रहा था, लेकिन समय से पहले ही वह सुनसान इलाके में गिर गया।

तारों से चिंगारी निकल कर ईंधन के ढेर पर गिरी, आग लगने से गांव में मची अफरा-तफरी

भरतपुर

डीग जिले के कामां थाना इलाके में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। बिजली के तारों से चिंगारी निकलकर ईंधन के ढेर में जा गिरी। जिससे गोबर के कंडें व सूखी लकड़ियों के ईंधन में आग लग गई। आग की लपटों से गांव में अफरा तफरी मच गई। सीकरी से दमकल की गाड़ी बुलाई गई। करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया गया। हासम, अनीस, न्याजू, हाफिज ने बताया कि बिलग गांव के कब्रिस्तान के पास उन्होंने अपना ईंधन इकट्ठा किया हुआ था। वहीं ऊपर से एक 11 केवी बिजली की लाइन जा रही थी। तार आपस में भिड़े और स्पार्किंग हुई। जिससे एक चिंगारी निकलकर ईंधन पर जा गिरी। धीरे-धीरे पूरे ईंधन ने आग पकड़ ली। आग लगने से गांव में अफरा तफरी मच गई। आसपास रखा ग्रामीणों का सामान भी जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने आग की सूचना दमकल की गाड़ियों को दी। आग लगने के करीब 30 मिनट के बाद सीकरी से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब जाकर आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कब्रिस्तान के आसपास ईंधन इकट्ठा किया हुआ था। जिसकी कीमत करीब 1 लाख रुपए थी।

हर घर में हथियारों से लैस है युवा:एमपी की सीमा पर दो गांवों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही अफीम-ब्राउन शुगर की तस्करी

प्रतापगढ़

मध्यप्रदेश की सीमा पर पहाड़ी पर बसे देवल्दी और नोगांवा। नालेनुमा नदी के दोनों ओर बसा ये गांव है अंतरराष्ट्रीय स्तर के तस्करों का। यहां से न केवल भारत बल्कि पाकिस्तान तक अफीम-ब्राउन शुगर की तस्करी होती है। जिसे यहां घर-घर बनाया जाता है। हर साल एक करोड़ से ज्यादा की अफीम, ब्राउन शुगर देशभर में यहीं से सप्लाई होती है।राजस्थान, मध्यप्रदेश और पंजाब सहित देश के कई प्रदेशों में ड्रग्स की सप्लाई करते हुए जिले के तस्कर गिरफ्तार हो चुके हैं। बॉलीवुड के हाई प्रोफाइल ड्रग्स मामले में भी प्रतापगढ़ से पहले तस्करों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इन तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए खुद की टीम बना ली है, जो अवैध हथियारों से लैस है। वर्ष 2000 तक यहां एक भी पुलिस अफसर या जवान नहीं आया। पुलिस ने कई बार कार्रवाई की कोशिश भी की, लेकिन कामयाब नहीं हो पाई। इसके बाद यहां स्थाई पुलिस चौकी बनाई। गांव में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जहां से हर हलचल की लाइव रिपोर्ट अलग-अलग घरों में बताता है। हर घर में खुफिया रास्ते बने हुए हैं। दो भागों में बसे इस गांव में एक हिस्से में यदि पुलिस दबिश देती है तो यहां रहने वाले लोग खुफिया रास्तों से नाले के दूसरे हिस्से में पहुंच कर आसानी ने निकटवर्ती मध्यप्रदेश की सीमा में चले जाते हैं। भास्कर की टीम इस गांव में पहुंची और जाना कि आखिर क्यों यह गांव अपराधियों का गढ़ बन गया।तस्करी के लिए तैयार इस गांव में पाकिस्तान से आकर बसे सरदार खां अपने ही चार प%यों से तैयार कुनबे से पूरा गांव बसा दिया। देवल्दी के बाद सरदार खान के एक पीढ़ी का डेरान खां देवल्दी से पास के ही नौगांवा गांव में जा कर बस गया और उसने यहां अपने अपराध का अलग ही साम्राज्य तैयार कर लिया। देवल्दी मुख्यत तस्करी के कारोबार का अड़ा है। इसके अलावा डेरान ने तस्करी के साथ साथ अपराध की एक और राह पर भी चलना शुरू कर दिया था। हत्या, फिरौती और सुपारी पर लोगों को मारने का डेरान ने अपना अलग डर लोगों में बनाना शुरू कर दिया था। हांलाकि अब अपराधियों में पुलिस का खौफ बढ़ने लगा है। लेकिन तस्करी का कारोबार अभी भी यह पुलिस से छुप कर करते रहते है। इस देवल्दी और नौगांवा से दाऊद इब्राहिम के राइट हेंड छोटे दाऊद का भी सीधा कनेक्शन है।बताया जाता है कि छोटा दाऊद 2007 तक यहां से जुड़ा हुआ था उसके बाद वो मध्यप्रदेश के उज्जैन गया था और फिर कराची के रास्ते पाकिस्तान चला गया था।

रियासतकाल में शुरू हुआ था शराब बनाना, अब खुद ही अफीम से बनाते हैं ब्राउन शुगर

दुनियाभर में तस्करी और अवैध धंधों के लिए अपनी पहचान बना चुके देवल्दी और नौगांवा गांव में तस्कर अफीम से खुद ही ब्राउन शुगर तैयार करते हैं। चित्तौड़गढ़ रियासत के समय में तत्कालीन राजा ने देवल्दी को निनावल, बलूचिस्तान और सिंध प्रान्त पाकिस्तान से यहां आए सरदार खान पठान को लगान पेटे दी थी। तब से ही देवल्दी गांव में पठानों का साम्राज्य है।बताया जाता है कि सबसे पहले खेती करने वाले पठान खेती के साथ साथ शराब का कारोबार चलाया करते थे। इसके बाद धीरे धीरे तस्करी का साम्राज्य इस गांव में स्थापित होतो चला गया। फिल्म केजीएफ की तरह पठानों ने भी अवैध कामों का अपना अलग ही गांव बसा लिया।

59 हजार अमरीकी डॉलर की धोखाधड़ी, स्टाफ को डर-धमकाकर राशि हड़पी

अजमेर

अजमेर की क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र में युवक से 59 हजार अमेरिकन डॉलर की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने विदेश में संचालित अपनी कंपनी के एक कर्मचारी पर अन्य कर्मचारियों को डरा-धमकाकर राशि हड़पने का आरोप लगाया है। कंपनी मालिक की ओर से कर्मचारी और उसके माता-पिता के खिलाफ क्रिश्चियन गंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार किसान कॉलोनी निवासी मनीष मंगवानी की ओर से थाने पर शिकायत दी गई है। शिकायत में उसने बताया कि सेंट्रल अफ्रीका में उसकी रॉयल फैशन के नाम से कंपनी है। कंपनी में भारत से योग्य उम्मीदवारों को एग्रीमेंट के आधार पर अच्छी सैलरी पर नौकरी देते थे। इस बीच अजय नगर निवासी दिलीप प्रितवानी ने अपनी मां मीना प्रितवानी और पिता हरीश सहित भाई दीपक के निवेदन पर जॉब के लिए अप्लाई किया था। दिलीप को उसके गारंटर जितेंद्र कलवानी पर विश्वास करते हुए 50 हजार मासिक वेतन पर सेंट्रल अफ्रीका में उनकी कंपनी में सेल्समैन मार्केटिंग पद पर नौकरी पर रखा था। पीड़ित ने बताया कि नौकरी पर रखने के बाद दिलीप के पासपोर्ट वीजा और अन्य खर्च के 2 लाख रुपए कंपनी द्वारा भुगते गए। दिलीप को एडवांस 30 हजार भी दिए गए। इसके बाद वह एग्रीमेंट के नियम अनुसार सेंट्रल अफ्रीका में उनकी कंपनी में जाकर ज्वाइन किया था। जहां उसने अन्य कर्मचारी भावेश व पवन के अधीन रहकर कार्य करने लगा। पीड़ित ने बताया कि दिलीप के काम को देखते हुए खुदने और उसके भाई ने उसे फार्म की समस्त जिम्मेदारी दी थी। कंपनी के एटीएम और समस्त अकाउंट की जानकारी भी दिलीप को दी थी। इसी बीच उन्हें सूचना मिली कि कंपनी में नियमित नुकसान हो रहा है। इसके बाद वह फरवरी में टिकट बुक करा कर विदेश अपनी कंपनी चला गया। इसकी जानकारी कर्मचारी दिलीप को मिली तो वह भारत आ गया। पीड़ित ने बताया कि जब वह अपनी कंपनी में पहुंचा तो कर्मचारी भावेश व पवन ने बताया कि दिलीप द्वारा उन्हें डरा-धमकाकर कंपनी में बहुत बड़ा घोटाला किया गया है। वह अपने माता-पिता सहित भाई से लगातार संपर्क में था। कर्मचारी दिलीप के द्वारा अलग-अलग तरीके से धोखाधड़ी करकारी 59 हजार डॉलर की धोखाधड़ी कंपनी के साथ की गई है। जब उन्होंने उसके परिवार से संपर्क किया तो उनके द्वारा दुव्वयवहार किया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि कर्मचारी के द्वारा कंपनी के साथ धोखाधड़ी करने के साथ कर्मचारियों को डरा धमकाकर कंपनी की छवि को धूमिल भी किया है। इसकी शिकायत उन्होंने सेंट्रल अफ्रीका में स्थानीय प्रशासन को भी दी है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने कर्मचारी और उसके माता-पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

7.67 करोड़ की ठगी, विदेश से जुड़ रहे तार, जांच सीबीआई को सौंप ने की तैयारी

झुंझुनूं

झुंझुनूं के पिलानी में महिला प्रोफेसर से हुई 7.67 करोड़ रूपए ठगी के मामले को राजस्थान पुलिस सीबीआई को सौंपने की तैयारी कर रही है। पुलिस को जांच में अहम सुराग मिले हैं। पुलिस ने ठगी के तार से विदेश से जुड़े होने की आशंका जताई है। ठगी के पीछे इंटरनेशनल गैंग का हाथ की बात सामने आ रही है। पुलिस ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। महिला प्रोफेसर श्रीजाता डे ने 17 फरवरी को झुंझुनूं साइबर थाना में 7.67 करोड़ रूपए की ठगी का मामला दर्ज करवाया था। मामला सामने आने के बाद पुलिस में हड़कंप मच गया था। ठगों ने 29 अक्टूबर 2023 को सुबह पहली बार महिला प्रोफेसर को फोन किया था। फोन करने वाले ने खुद को दूरसंचार विभाग का अधिकारी बताया था। साइबर क्राइम से जुड़ी हुई शिकायत प्राप्त होने की बात कही थी और कहा कि उनके नाम से जारी दूसरे मोबाइल नंबर का साइबर क्राइम में उपयोग लिया गया है। मुंबई पुलिस कार्रवाई करेगी। इसके तुरंत बाद नए नंबर से 4 बार फोन आया। इसके बाद कभी ईडी, मुम्बई क्राइम ब्रांच, सीबीआई बनकर कॉल किया और प्रोफेसर को डरा कर वीडियो कॉन्फ्रेंस पर बात की। फिर प्रोफेसर को डराकर स्काइप ऐप डाउनलोड करवाया। हर 2 घंटे में रिपोर्ट ली कि वह किन-किन से मिल रही हैं और कहां जा रही हैं। डिजिटल वैरिफिकेशन के नाम पर अपराधियों ने प्रोफेसर की पूरी संपत्ति अटैच करने की झूठी कहानी रची। प्रोफेसर ने खुद को बड़ी मुसीबत में मान आरोपियों के कहे अनुसार 29 अक्टूबर 2023 से 31 जनवरी 2024 तक 42 बार में 7.67 करोड़ रुपए विभिन्न खातों में जमा करा दिए। इसके लिए उन्होंने 80 लाख रुपए का बैंकों से लोन भी लिया। ठगों ने झांसा दिया कि सुप्रीम कोर्ट से मामला निस्तारित होते ही पूरी रकम वापस उनके खाते में आ जाएगी। वारदात का तरीका देख डीजी साइबर क्राइम रविप्रकाश मेहरड़ा ने इस फाइल को स्टेट लेवल के साइबर क्राइम थाने में भेजा। वहां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोहेश चौधरी ने पड़ताल की। पड़ताल में करीब दो सौ बैंक खातों की जानकारी सामने आई है। साथ ही इंटरनेशनल गैंग का हाथ होने की आशंका है। ऐसे में इसकी जांच सीबीआई से कराने के लिए गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है।

आरएलपी में दो फाड़, एक ने भाजपा प्रत्याशी को समर्थन किया

दूसरे पक्ष ने कहा कि हम कांग्रेस प्रत्याशी के साथ

बाड़मेर

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान शुरू होने के सिर्फ 12 घंटे ही बचे थे कि बाड़मेर की राजनीति में आरएलपी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी के साथ पत्रकार वार्ता कर भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया। इसके दो-तीन घंटे बाद आरएलपी के दूसरे गुट ने प्रेसवार्ता की और कहा कि आरएलपी की बाड़मेर इकाई कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम के साथ है।इसी के साथ ही गुरुवार को आरएलपी दो धड़ों में बंटी नजर आई। आरएलपी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने एक दिन पूर्व ही जालोर में कांग्रेस प्रत्याशी की सभा के दौरान बाड़मेर लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर नाराजगी जताई थी और कहा था कि वो हर जगह कांग्रेस का समर्थन नहीं कर रहे हैं। कुछ लोगों ने आरएलपी को तोड़ने का काम किया है, ऐसे लोगों का हम समर्थन नहीं करेंगे। गुरुवार को आरएलपी जिला संयोजक गजेंद्र चौधरी ने कई कार्यकर्ताओं के साथ प्रेस वार्ता कर भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी को समर्थन देने का ऐलान किया है। चौधरी ने कहा कि राजस्थान में आरएलपी का इंडिया अलायंस से गठबंधन हुआ है, लेकिन बाड़मेर सीट पर कांग्रेस के बड़े नेता इस गठबंधन के विरोध में थे। इस वजह से हमारे कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं दी जा रही है। आरएलपी के कार्यकर्ता चाह रहे थे कि हनुमान बेनीवाल की बाड़मेर में सभा करवाई जाए, लेकिन आरएलपी को तोड़ने वाले कुछ नेताओं ने हनुमान बेनीवाल की सभा नहीं होने दी। इससे आरएलपी के कार्यकर्ताओं में नाराजगी थी।

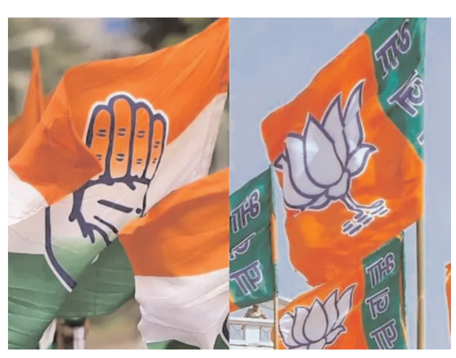

महिला से छेड़खानी करने पर मनचले की हुई पिटाई, पिटाई के बाद भागा मनचला

सवाई माधोपुर

सवाई माधोपुर के पुराने शहर के गुरुद्वारे के पास एक मनचले को महिला से छेड़खानी करना भारी पड़ गया। जिसके चलते लोगों ने मनचले की पिटाई कर दी और घटना की जानकारी पुलिस को दी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती, तब तक मनचला मौके से भागने में कामयाब हो गया। जिसके बाद महिला और उसका पति बजरंग दल व भाजपा के लोगों के साथ महिला थाने पहुंचे और घटना को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना के बाद बजरंग दल और भाजपा के कार्यकर्ता भाजपा जिला उपाध्यक्ष बलवीर सिंह और बजरंग दल के नगर अध्यक्ष नरेश सिंधी के नेतृत्व में महिला थाने पहुंचे। जिसके बाद महिला और उसके पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

घटना के बाद बजरंग दल और भाजपा के कार्यकर्ता भाजपा जिला उपाध्यक्ष बलवीर सिंह और बजरंग दल के नगर अध्यक्ष नरेश सिंधी के नेतृत्व में महिला थाने पहुंचे। जिसके बाद महिला और उसके पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुराने शहर निवासी विवाहिता महिला ने बताया कि उसकी घर के नीचे उसकी एक किराने की दुकान है। जहां पर सद्दाम पुत्र कदीर निवासी राजबाग पिछले तीन चार दिन से उसकी दुकान पर आ रहा था। वह उसके मन्दिर और बाजार जाने के दौरान उसका पीछा करता है। आरोपी सद्दाम उस पर दोस्ती करने और सम्बन्ध बनाने के लिए लगातार परेशान कर रहा था। गुरुवार दोपहर को जब उसके पति घर पर ऊपर खाना खाने गए थे। इसी दौरान आरोपी दुकान पर आया और उसका हाथ पकड़ कर छेड़छाड़ करने लगा। जिसकी सूचना उसने पति को दी। जिसके आरोपी को पकड़ लिया और स्थानीय लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। इसी दौरान आरोपी यहां से मौका पाकर फरार हो गया। सूचना पर बजरंग के कार्यकर्ता नगर अध्यक्ष नरेश सिंधी और भाजपा जिला उपाध्यक्ष बलवीर सिंह के नेतृत्व में महिला थाने पहुंचे। यहां पहुंचकर महिला के पति ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरु कर दी है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

पूर्व विधायक को मारने की धमकी पर फूटा गुस्सा, बोले- धमकी देने के पीछे कोई बड़ी ताकत है

बाड़मेर

पूर्व विधायक एवं सीनियर कांग्रेस लीडर अमीन खान को धमकी देने मामले में लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि एक युवक को गिरफ्तार तो किया लेकिन इसके पीछे धमकी देने वाली गैंग का पुलिस ने अभी तक खुलासा नहीं किया। गुरुवार को आक्रोशित लोग गडरारोड उपखंड ऑफिस के आगे पहुंचे। एसडीएम को जिला निर्वाचन अधिकार के नाम का ज्ञापन सौंपा। स्थानीय निवासी रमेश माहेश्वरी का कहना है कि लोगों में क्रोध है समय रहते खुलासा नहीं किया तो गुस्सा विस्फोट का रूप ले सकता है। दरअसल, बाड़मेर जिले के शिव के 5 बार के विधायक अमीन खान को दो दिन पहले 23 जून को फेसबुक मैसेंजर पर जाने से मारने की धमकी मिली थी। पारस बी चौधरी की फेसबुक आईडी से मैसेजर पर धमकी भेजी गई। जिसमें लिखा था कि 26 जून से पहले काम तमाम, मौत की अग्रिम बधाई अमीन खान। रज्ञत, पारस चौधरी, राजू ठेहट ग्रुप, जीवन गोदारा डीडवाना। इसके बाद पूर्व विधायक अमीन खान ने एसपी बाड़मेर को फोन करके बताया। वहीं इसके भतीज चिनेसर खान एसपी ऑफिस पहुंचकर लिखित में शिकायत भी दर्ज करवाई है। इसके बाद पुलिस ने तुरंत आईटी सेल टीम को एक्टिव कर युवक को चिन्हित किया गया। युवक को गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने युवक के पीछे कौन है इसका अभी तक खुलासा नहीं किया है। गुरुवार को आक्रोशित समर्थकों व लोगों ने गडरारोड में इकट्ठे हुए। वहां से गडरारोड एसडीएम ऑफिस पहुंचे। वहां पर जिला निर्वाचन अधिकारी के नाम का ज्ञापन एसडीएम को दिया।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindustanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।